निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

• बोकारो, बुधवार 3 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 17 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

जमीन कारोबारी पर फायरिंग

सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)। सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी क्षेत्र के वार्ड संख्या-5 में रंगदारी न देने पर एक जमीन कारोबारी पर फायरिंग की गई। इस घटना में कारोबारी अफसर नवाज गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अफसर नवाज जाकिरनगर रोड नंबर-20 के निवासी हैं। उन्होंने कपाली के वार्ड नंबर-5 में एक प्लॉट खरीदा है जहां निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान तीन युवक पैदल वहां पहुंचे और कथित तौर पर रंगदारी की मांग करने लगे। जब अफसर नवाज ने रंगदारी देने का विरोध किया, तो एक युवक ने पिस्तौल निकालकर फायरिंग कर दी।

युवक की गला काटकर हत्या

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के भौरा ओपी अंतर्गत कालीमेला स्थित लाल बंगला छठ घाट के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रथम दृष्टया मामला धारदार हथियार से गला काटकर हत्या किए जाने का प्रतीत हो रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृत युवक की पहचान होरलाडीह नंबर-3 निवासी 20 वर्षीय मोहम्मद दिलशाद अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

ट्रेन से गिरने के कारण मजदूर की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के पोचरी गांव निवासी मिथुन मंडल की धनबाद-गया रेलखंड स्थित पारसनाथ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय गिरकर मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब मिथुन मंडल भुसावल से मुंबई-हावड़ा मेल ट्रेन से अपने घर लौट रहे थे। मिथुन मंडल गुजरात की किसी कंपनी में सीनियर सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पसिया गांव में 40 वर्षीय शांति बोबोंगा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीणों ने उन्हें गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर नदी किनारे मृत अवस्था में देखा। ग्रामीणों की सूचना पर जेटिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर नशा कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे स्पेशल ड्राइव के दौरान गिद्धौर पुलिस ने करीब नौ लाख रुपए के नशे के प्रतिबंधित खेप के साथ एक तस्कर को पुलिस ने दबोचा है। डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जपुआ मैदान में छापेमारी कर ब्राउन शुगर के साथ जपुआ निवासी दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

झारखंड ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

मरीजों के प्रति संवेदनहीनता बर्दाश्त नहीं : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लचर एंबुलेंस सेवा तथा गर्भवती महिलाओं को लेकर हाल की कुछ घटनाओं पर चिंता जताई है। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में इसपर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों में इलाज, दवाओं और आपात सेवाओं की गुणवत्ता में हर हाल में सुधार दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि यह विभाग सीधे तौर पर आम जनमानस से जुड़ा हुआ है, इसलिए यह जरूरी है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं। स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक और बेहतर गुणवत्ता से जोड़ते हुए प्रभावी क्रियान्वयन हर हाल में सुनिश्चित करें। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एंबुलेंस सेवाओं की मानिटरिंग के लिए एआइ कंट्रोल रूम स्थापित करें। किसी भी दुर्घटना या आपातकाल स्थिति में किसी भी मनुष्य के जीवन के लिए एक-एक मिनट बेहद महत्वपूर्ण होता है। कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों से टैग किए गए एंबुलेंस पूरी तरह

क्रियाशील हों। साथ ही एंबुलेंस सेवा के विस्तार के भी निर्देश दिए। साथ ही अस्पतालों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, मरीजों को समय पर उपचार कराने तथा अस्पतालों में स्वच्छता एवं आवश्यक सुविधाएं सुदृढ़ करने पर बल दिया। कहा कि सभी अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं, उच्च कोटि की दवाओं की उपलब्धता एवं जांच सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, विशेष सचिव नेहा अरोड़ा, अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, अपर सचिव, शशि प्रकाश सिंह आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने एंबुलेंस सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा कि चिकित्सा सुविधाओं में मरीजों के प्रति संवेदनहीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों, एएनएम, जीएनएम की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। कहा कि मानव संसाधन की कमी की वजह से मरीजों का इलाज प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं अलग-अलग हैं, इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर दो भागों में बांटकर कार्य योजना बनाएं। कैंसर, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, शुगर आदि से संबंधित आपातकालीन सेवाओं के लिए अलग व्यवस्था बनाएं। स्वास्थ्य चेकअप को दुरुस्त रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में साफ-सफाई की व्यवस्थाओं को आवश्यकतानुसार पीपीपी मोड पर संचालित करने का निर्देश दिया।

भाजपा विधायक दल की बैठक पांच जून को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के घटक दलों के नेताओं ने अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत के लिए रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। राज्यसभा चुनाव को लेकर एनडीए का प्रमुख घटक दल भाजपा ने कमर कस लिया है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 5 जून को रांची में भाजपा विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में झारखंड भाजपा के सभी 21 विधायक शामिल होंगे। राज्यसभा चुनाव को देखते हुए यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पार्टी सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान राज्यसभा चुनाव की रणनीति, मतदान की प्रक्रिया और पार्टी की आगे की राजनीतिक रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही विधायकों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा सकते हैं ताकि चुनाव के दौरान संगठनात्मक एकजुटता बनी रहे। भाजपा नेतृत्व राज्यसभा चुनाव को लेकर कोई भी चूक नहीं करना चाहता। यही वजह है कि पार्टी विधायकों के साथ अलग-अलग स्तर पर संवाद स्थापित कर रही है। विधायक दल की बैठक में चुनावी गणित, संभावित समर्थन और राजनीतिक परिस्थितियों का भी आकलन किया जाएगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा इस चुनाव को केवल एक सीट के चुनाव के रूप में नहीं बल्कि संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन के अवसर के तौर पर भी देख रही है। इसलिए पार्टी की रणनीति पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। विधायक दल की बैठक के अगले दिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर पहुंचेंगे। उनके दौरे को भी राज्यसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। उनके झारखंड दौरे के दौरान संगठनात्मक बैठकों और नेताओं के साथ चुनावी चर्चा की संभावना जताई जा रही है। इससे कार्यकर्ताओं और विधायकों का मनोबल बढ़ाने का भी प्रयास किया जाएगा।

नकली शराब बनाने के अड्डे पर छापेमारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नकली शराब के सौदागरों के खिलाफ रांची पुलिस की कार्रवाई जारी है। नतीजतन नकली शराब के सौदागरों ने अपने धंधे को दिन के बदले रात में शिफ्ट कर दिया है ताकि पुलिस की नजर से बचा जा सके लेकिन पुलिस ने भी शराब तस्करों के इस नापाक मंसूबे को तबाह करने के लिए रात्रि टीम बनाई है। टीम समय-समय पर छापेमारी कर नकली और अवैध शराब की खेप जब्त भी कर रही है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली थी कि रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में रात के वक्त नकली शराब का निर्माण किया जाता है। इस सूचना पर सोमवार की देर रात अचानक पुलिस की टीम ने नकली शराब बनाने वाले अड्डों पर छापेमारी की क्योंकि रात का समय था इसलिए नकली शराब का निर्माण करने वाले मौके से गिरते-पड़ते फरार हो गए लेकिन पुलिस ने उनके अड्डों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। मौके से भारी मात्रा में महुआ सहित कई ऐसी चीज बरामद की गई जो नकली देसी से लेकर कई तरह के शराब बनाने में प्रयोग की जाती है। रांची पुलिस की टीम ने नकली शराब के अड्डे को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। साथ ही अवैध भट्ठियों को भी तोड़ दिया। मौके पर मौजूद कच्चा सामग्री को पुलिस की टीम ने बर्बाद कर दिया ताकि उसका दोबारा उपयोग न किया जा सके। रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन ने बताया कि दिन के उजाले में शराब का अवैध निर्माण कर उसे बाजार में खपाने वाले लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

एसआइआर-वोटर मैपिंग को लेकर चुनाव आयोग गंभीर, 15 जून तक पूरा करें कार्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले चल रहे वोटर मैपिंग की धीमी प्रगति और उसके कारणों को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से बैठक हुई। इस क्रम में रांची सहित कुछ जिलों में अनमैप्ड वोटरों की मैपिंग कार्य धीमा होने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों पर नाराजगी जताई और जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि पदाधिकारी राज्य में 15 जून तक मतदाताओं का विगत दिनों हुई गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। मैप्ड मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार के अन्य दस्तावेज नहीं समर्पित करने होंगे। यदि मतदाता

अनमैप्ड है, तो उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची से नहीं कटेगा। ऐसे मतदाताओं को एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान क्टग द्वारा नोटिस मिलने के उपरांत, उन्हें जन्मतिथि के अनुसार स्वयं/माता अथवा पिता/माता व पिता दोनों/ ग्रैंड पैरेंट्स से संबंधित दस्तावेज जमा करने होंगे और इआरओ द्वारा दावा/आपत्ति का निस्तारण करते हुए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ निर्वाचन सदन से ऑनलाइन माध्यम से राज्य में निर्धारित एसआईआर की तैयारियों से संबंधित हुई समीक्षा के बाद ईटीवी भारत से बात करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि शहरी क्षेत्र में मैपिंग कम हुए हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्र में अधिक मैपिंग हुई है। उन्होंने कहा कि अब तक करीब 76% मतदाताओं की मैपिंग हो गई है। इससे पूर्व बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पदाधिकारी मैपिंग कार्य की सघन समीक्षा करें। यदि मतदाताओं की गलत मैपिंग होती है तो ऐसे मतदाताओं की सूची एनोमलीज केस के रूप में दिखेंगे। जिनका क्टग द्वारा सुनवाई करते हुए आदेश पारित करना होगा। ऐसे मतदाताओं को भी अनमैप्ड मतदाताओं की तरह एसआईआर के प्रक्रिया से गुजरना होगा।

पलामू टाइगर रिजर्व में घंटों चली वाटरहोल गणना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। पलामू टाइगर रिजर्व के कोर और बफर क्षेत्रों में एक दिवसीय वाटरहोल गणना 2026 का अभ्यास सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। भीषण गर्मी के इस मौसम में रिजर्व के भीतर स्थित सभी प्राकृतिक और कृत्रिम जलस्रोतों पर पानी पीने आने वाले वन्यजीवों की सटीक मैपिंग के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया। इस वृहद् गणना अभ्यास की सबसे बड़ी ताकत अग्रिम पंक्ति के वन कर्मियों और प्रकृतिप्रेमी स्वयंसेवकों की अनूठी जनभागीदारी रही। लगातार 14 घंटे तक चले इस चुनौतीपूर्ण अभियान में वन्यजीवों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। गणना टीमों को बिना विचलित किये निगरानी करने के लिए मचानों (वॉचटावर) और छलावरण

(कैमफ्लाज) तकनीकों पर तैनात किया गया था। प्रत्येक वाटरहोल पर मौजूद वन कर्मियों, ट्रैकर्स और स्वयंसेवकों को एक विशेष डेटा शीट दी गयी थी। इस वैज्ञानिक डेटा शीट में वन्यजीवों के आगमन का समय, उनकी प्रजाति, नर-मादा व शावकों की संख्या और जलस्रोतों के जल स्तर की सटीक जानकारी दर्ज की गयी है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान हाथी, तेंदुआ, गौर (बिसन), चीतल, सांभर, कोटरा, भालू और सियार जैसे महत्वपूर्ण स्तनधारी जीवों की भारी सक्रियता रिकॉर्ड की गयी है। पलामू टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर प्रजेश कांत जेना के अनुसार इस गणना से प्राप्त आंकड़े वन्यजीवों की मौसमी उपस्थिति और आबादी का एक व्यावहारिक अनुमान प्रदान करते हैं। एकत्रित की गयी डेटा शीट के वैज्ञानिक विश्लेषण से यह समझने में मदद मिलेगी कि गर्मी के दिनों में कौन से वाटरहोल्स वन्यजीवों के लिए सबसे अधिक जीवनदायी साबित हो रहे हैं। इस निष्कर्ष का उपयोग भविष्य में बेहतर वाटरहोल प्रबंधन, कृत्रिम जल आपूर्ति और एंटी-पोचिंग (शिकार विरोधी) तंत्र को मजबूत करने के लिए किया जायेगा। पीटीआर प्रशासन ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए अपने समर्पित फ्रंटलाइन स्टाफ और सभी स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बकाया वेतन नहीं मिला तो 17 जून को होगा प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ ने धनबाद और चास अंचल में कार्यरत ऊर्जा मित्रों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और सुपरवाइजरों के लंबित वेतन भुगतान को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। संघ ने बिजली विभाग के अधिकारियों को त्राहिमाम पत्र सौंपते हुए कहा है कि यदि 13 जून तक सभी बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो 17 जून को व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। संघ के अनुसार धनबाद और चास क्षेत्र में कार्यरत सैकड़ों ऊर्जा मित्र, कंप्यूटर ऑपरेटर और सुपरवाइजर कई महीनों से वेतन भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लगातार काम करने के बावजूद उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिल रहा है जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। ऊर्जा मित्र बिजली उपभोक्ताओं के बीच बिलिंग, रीडिंग और अन्य तकनीकी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद वेतन भुगतान में लगातार हो रही देरी से कर्मियों में असंतोष बढ़ रहा है। झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ के संस्थापक संतोष कुशवाहा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि बिलिंग एजेंसी फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड ने 17 मई को ई-मेल के माध्यम से यह आश्वासन दिया था कि 13 जून तक सभी लंबित वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। संघ का आरोप है कि इससे पहले भी एजेंसी कई बार वेतन भुगतान का भरोसा दे चुकी है लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं हुई। बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद कर्मियों के खाते में वेतन नहीं पहुंचा है जिससे कर्मचारियों का भरोसा कमजोर हुआ है। संघ का कहना है कि वेतन नहीं मिलने के कारण अनेक कर्मचारियों के सामने परिवार चलाने की

विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले को लेकर तैयारी तेज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। कुछ ही दिनों में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की शुरुआत होने वाली है। इस दौरान प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने अभी से तैयारियां तेज कर दी है। इस वर्ष प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कांवरिया पथ को अधिक सुगम बनाने के लिए मुख्य रास्तों का निर्माण किया जा रहा है। लंबी कतारों में खड़े श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से बचाने के लिए शेड लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा बढ़ती गर्मी को देखते हुए जगह-जगह पेयजल की व्यवस्था भी की जा रही है। इसी कड़ी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते

हुए प्रशासन एक नई पहल कर रहा है। मंदिर परिसर के बाहर लगभग 1200 से 1300 लॉकर तैयार किए जा रहे हैं जहां श्रद्धालु अपने मोबाइल फोन, पर्स और अन्य जरूरी सामान सुरक्षित रख सकेंगे। इससे श्रद्धालुओं को भीड़ के बीच अपने सामान की सुरक्षा को लेकर होने वाली चिंता से राहत मिलेगी। देवघर पहुंचे श्रद्धालुओं का कहना है कि श्रावणी मेले के दौरान अत्यधिक भीड़ के कारण सामान चोरी होने का डर बना रहता है। वहीं भारी भीड़ में सामान लेकर चलना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में लॉकर की सुविधा उनके लिए काफी लाभदायक साबित होगी। श्रद्धालुओं ने यह भी बताया कि मंदिर परिसर में प्रवेश से पहले सामान रखने के लिए उन्हें अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार निजी दुकानदार सामान रखने के बदले अधिक शुल्क की मांग करते हैं। प्रशासन की ओर से लॉकर की सुविधा उपलब्ध होने से श्रद्धालुओं को इस समस्या से भी निजात मिलेगी। लॉकर निर्माण कार्य का निरीक्षण कर रहे कर्मियों का कहना है कि निर्धारित समय के भीतर सभी लॉकर तैयार कर लिए जाएंगे ताकि श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालु इसका लाभ उठा सकें। वहीं देवघर के एसडीएम एवं बैद्यनाथ धाम मंदिर के प्रभारी रवि कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना है। हाल के दिनों में मंदिर की दानपेटी से पाकिस्तानी नोट मिलने तथा पड़ोसी जिला साहिबगंज से आतंकवादी की गिरफ्तारी जैसे मामलों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां भी विशेष सतर्कता बरत रही हैं। इसी वजह से मंदिर परिसर में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाने पर नियंत्रण रखने की योजना बनाई गई है। प्रशासन के अनुसार श्रद्धालु अपने मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान लॉकर में सुरक्षित रखेंगे और केवल पूजा सामग्री तथा कांवर के साथ मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। इससे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

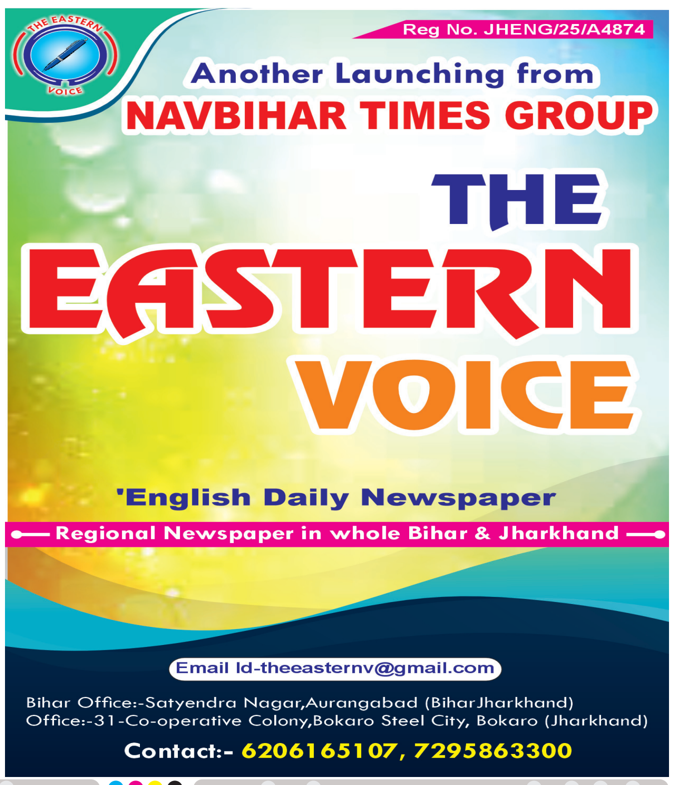

C M Y K

हजारीबाग झील बनेगा नो व्हीकल जोन

पर्यटन क्षेत्र घोषित कराने की पहल तेज, विभाग को लिखा गया पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग शहर की पहचान मानी जाने वाली हजारीबाग झील को नो-व्हीकल जोन बनाने की दिशा में प्रशासनिक और नगर निगम स्तर पर पहल तेज हो गई है। हजारीबाग नगर निगम बोर्ड द्वारा झील क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित करने का प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने भी इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। हजारीबाग महापौर अरविन्द कुमार राणा द्वारा उपायुक्त हेमंत सती से किए गए आग्रह के बाद जिला प्रशासन ने झील क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन के रूप में स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही उपायुक्त ने झील को पर्यटन क्षेत्र घोषित कराने के लिए पर्यटन विभाग को पत्र भेजा है। इससे पहले महापौर भी पर्यटन विभाग को पत्र लिखकर झील को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की मांग कर चुके हैं। मंगलवार को नो-व्हीकल जोन की

व्यवस्था को लागू करने की तैयारियों के तहत अधिकारियों की एक टीम ने झील क्षेत्र का निरीक्षण किया। आयुक्त के निर्देश पर पहुंची टीम ने संभावित व्यवस्थाओं, यातायात नियंत्रण और आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। पूरे अभियान की निगरानी स्वयं उपायुक्त हेमंत सती कर रहे हैं। जिला प्रशासन का मानना है कि झील क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही सीमित होने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्थानीय लोगों और पर्यटकों को सुरक्षित, स्वच्छ और शांत वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। झील को पर्यटन क्षेत्र घोषित किए जाने से इसके संरक्षण, सौंदर्यीकरण और पर्यटन विकास की संभावनाओं को भी नया बल मिलने की उम्मीद है। शहरवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे हजारीबाग के विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

उसरी नदी किनारे बनेगा भव्य मरीन ड्राइव, जुलाई से शुरू हो सकता है निर्माण कार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उसरी नदी किनारे भव्य मरीन ड्राइव निर्माण की योजना अब धरातल पर उतरने के करीब पहुंच गई है। शास्त्री नगर से अरगाघाट तक उसरी नदी की तलहटी में प्रस्तावित इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग 31 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे जानकारी के अनुसार, गिरिडीह विधायक एवं झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू की पहल पर इस परियोजना को गति मिली है। योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जुडको को सौंपी गई है और इसके लिए टेंडर प्रक्रिया लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि यदि सभी औपचारिकताएं समय पर पूरी हो जाती हैं तो जुलाई माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। मरीन ड्राइव के निर्माण के बाद उसरी नदी का तट आधुनिक और आकर्षक स्वरूप में नजर आएगा। यहां लोगों के लिए मॉर्निंग वॉक, जॉगिंग, व्यायाम और मनोरंजन की बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही नदी किनारे सुंदरीकरण, बैठने की व्यवस्था और आकर्षक प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे यह क्षेत्र शहरवासियों के लिए नया पर्यटन एवं मनोरंजन केंद्र बन सके स्थानीय लोगों का मानना है कि यह परियोजना गिरिडीह की पहचान को नई ऊंचाई देगी। मरीन ड्राइव बनने से न केवल शहर की खूबसूरती में इजाफा होगा, बल्कि पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय व्यापार और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी शहरवासियों को अब उस दिन का इंतजार है, जब उसरी नदी का किनारा एक आधुनिक मरीन ड्राइव के रूप में विकसित होकर गिरिडीह की नई पहचान बनेगा।

देवघर एम्स में अत्याधुनिक रक्त केंद्र का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवघर एम्स में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आज सांसद निशिकांत दुबे ने एम्स परिसर में अत्याधुनिक रक्त केंद्र (ब्लड बैंक) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एम्स के अधिकारी, चिकित्सक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। देवघर स्थित एम्स में सांसद निशिकांत दुबे ने फीता काटकर रक्त केंद्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने कहा कि इस रक्त केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने में बड़ी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में भी मरीजों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा प्रदान करने में यह केंद्र अहम भूमिका निभाएगा।

एम्स प्रबंधन के अनुसार रक्त केंद्र के संचालन से न केवल देवघर बल्कि संताल परगना सहित आसपास के जिलों के मरीजों को भी लाभ मिलेगा। यह सुविधा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

चार अवैध खनन मुहानों को किया गया डोजरिंग

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हजारीबाग में अवैध कोयला उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए सीसीएल सुरक्षा विभाग, चरही पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। वनभूमि पर संचालित चार अवैध खनन मुहानों को डोजरिंग कर पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, सीसीएल के तापीन उत्तर और तापीन दक्षिण परियोजना के समीप स्थित नोनियाबेडा क्षेत्र में लंबे समय से वनभूमि पर अवैध तरीके से कोयला उत्खनन किए जाने की शिकायत मिल रही थी इसके बाद संयुक्त अभियान चलाए हुए टीम ने अवैध खनन के लिए बनाए गए चार मुहानों की पहचान की और सीसीएल तापीन उत्तर परियोजना से जेसीबी मंगाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया।

उपायुक्त ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय में मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे 100 से अधिक फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान भूमि विवाद, राशन कार्ड, खाद्यान्न वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आधार कार्ड, आवास, पेयजल, बिजली, राजस्व एवं अन्य जनहित से जुड़े मामलों पर लोगों ने अपनी शिकायतें रखीं उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी शिकायत को अनावश्यक

रूप से लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से राशन कार्ड, खाद्यान्न वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आधार कार्ड एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दरबार में प्राप्त कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारियों को आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने तथा आवेदकों को कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया।

जेएमएम ने सीबीएसई और एनटीए परीक्षा प्रणाली पर लगाया प्रश्न चिह्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने परीक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार की मांग की है। नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में हाल ही में आई गड़बड़ियों, प्रश्नपत्र लीक होने और ऑन-स्क्रीन मार्किंग जैसे नए प्रयोगों के कारण छात्रों को भारी मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है, जिससे कई होनहार युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। इस गंभीर स्थिति और लगभग 27 लाख विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ का हवाला देते हुए

शिक्षा मंत्री की बर्खास्तगी की मांग

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से बर्खास्त करने की मांग की गई है। इसके साथ ही यूजीसी द्वारा पीएचडी रिसर्च गाइडलाइंस में किए गए हालिया बदलावों और शिक्षा बजट में की गई भारी कटौती को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई है। दूसरी ओर, राज्यसभा नामांकन और स्थानीय ट्रेजरी घोटाले की चल रही एसीबी व सीआईडी जांच के निष्कर्षों को जल्द ही महालेखाकार के समक्ष प्रस्तुत करने की बात कही गई है।

एडीजी ने की विधि-व्यवस्था की समीक्षा

गुमला। प्रदेश के एडीजी मनोज कौशिक ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में राँची जोन के चार जिलों की पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में गुमला, खूँटी एवं लोहरदगा जिला के पुलिस कप्तान एवं सिमडेगा जिला मुख्यालय डीएसपी शामिल थे। एडीजी मनोज कौशिक ने बताया कि बैठक में अपराध, विधि व्यवस्था इसके अलावा स्पेशल क्राइम की समीक्षा की गई है। उन्होंने बताया कि इन चार जिलों में विगत तीन सालों में जितने भी मामले दर्ज हुए हैं उसकी प्रगति रिपोर्ट एवं लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई है। इसके अतिरिक्त स्पेशल क्राइम में महिला एवं बच्चों के विरुद्ध आने वाले मामलों की त्वरित गति से निष्पादन करने तथा पॉक्सो के मामले में तत्काल गिरफ्तारी कर कानून के तहत करवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही एडिशन ने बताया कि इन चार जिलों के अंतर्गत आने वाले पर्यटन स्थलों को कैसे सुरक्षित किया जाए इसको लेकर भी समीक्षा करते हुए कई दिशा निर्देश दिए गए हैं ताकि पर्यटन स्थलों में पर्यटक सुरक्षित होकर घूम सके।

युवा संवाद चौपाल यात्रा के माध्यम से युवाओं को राजद से जोड़ना उद्देश्य : रंजन यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद जिला युवा राष्ट्रीय जनता दल की ओर से मंगलवार को लुसी सर्कुलर रोड स्थित विवाह भवन में युवा संवाद चौपाल यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता और राजद नेता उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल द्वारा झारखंड के सभी 24 जिलों में युवा संवाद चौपाल यात्रा चलाई जा रही है। इसी क्रम में धनबाद में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को राजद से जोड़ना, उन्हें एकजुट करना तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में जागरूकता फैलाना है। साथ ही समाज के अंतिम व्यक्ति को उसके हक और सम्मान दिलाने के लिए युवाओं को संगठित किया जा रहा है। रंजन यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा कर सत्ता में आई मोदी सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरते हुए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप लगाया।

सहयोग शिविर में प्रभारी सचिव ने लोगों की सुनीं समस्याएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। राज्य सरकार के जन-शिकायत निवारण अभियान के अंतर्गत जिले के गोराडीह प्रखंड के बिशनपुर जिच्छो पंचायत में आज आयोजित सहयोग शिविर में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव सह जिला प्रभारी सचिव दीपक आनंद ने लोगों की समस्याओं को सुना और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वे शिविर की प्रगति और शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आम

नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिकतम 30 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है तथा अनावश्यक विलंब के प्रति सरकार पूरी तरह गंभीर है। श्री आनंद ने बताया कि सहयोग पोर्टल एवं हेल्पलाइन 1100 के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने लोगों से डिजिटल माध्यमों का अधिकाधिक उपयोग करने और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग पोर्टल का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रभारी सचिव ने विशेष रूप से भागलपुर जिला प्रशासन की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व में आयोजित सहयोग शिविर में प्राप्त अधिकांश शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा से काफी पहले, मात्र सात दिनों के भीतर कर दिया गया है। इसके लिए जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी और जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई के पात्र हैं। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि यह शिविर पूरी तरह आम जनता की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशानुसार प्रत्येक पंचायत में सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया।

नींव रखने वालों को इतिहास याद रखता है, और शिलान्यास करने वालों को सिर्फ तस्वीरें : पूर्व विधायक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण प्रखंड के ग्राम बेला, लोहण्डी, मानगढ़ एवं कोयली के किसानों के लिए प्रस्तावित चेकडेम व लिफ्ट एरिगेशन परियोजना का शिलान्यास आज भले ही वर्तमान विधायक के हाथों हो रहा हो, लेकिन क्षेत्र की जनता को यह जानना चाहिए कि इस योजना की वास्तविक पहल किसने की थी। पूर्व विधायक श्री अकेला ने कहा अपने कार्यकाल के 19/06/2024 को किसानों की सिंचाई समस्या को गंभीरता से उठाते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से क्षेत्र के लोगों के साथ भेंट कर चेकडेम व लिफ्ट एरिगेशन योजना की मांग की थी। इस संबंध में तत्कालीन मुख्यमंत्री को सौंपा गया अनुशंसा पत्र तथा मुलाकात के फोटो साक्ष्य आज भी उपलब्ध हैं, जो इस परियोजना की शुरुआत में पूर्व विधायक की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रमाणित करते हैं। हमें खुशी है कि किसानों के हित में यह योजना धरातल पर उतर रही है। विकास कार्यों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि जनता को सच्चाई बताई जाए और जिन लोगों ने इसकी नींव रखी, उनके योगदान को भुलाया न जाए। वर्तमान विधायक को उन योजनाओं का शिलान्यास का अवसर मिल रहा है, जिनकी मांग और संघर्ष की शुरुआत पूर्व विधायक ने की थी। राजनीति में श्रेय लेना आसान है, लेकिन संघर्ष करना कठिन।

एसएसपी ने दिए प्रोफेशनल पुलिसिंग के गुर

बेहतर कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान, लापरवाही पर होगी विभागीय कार्रवाई

कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। पुलिस केंद्र में मंगलवार को वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव एवं ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब भी मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस अवर निरीक्षक स्तर के पदाधिकारियों को पुलिस कार्यप्रणाली, अनुसंधान, अपराध नियंत्रण एवं जनसंपर्क से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया जा रहा है जिसके माध्यम से जिले के 329 पुलिस अवर निरीक्षक एवं 561 सहायक अवर निरीक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार लाना, अनुसंधान को अधिक प्रभावी बनाना तथा अपराध नियंत्रण के साथ आम नागरिकों को बेहतर कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। कार्यशाला के दौरान एसएसपी प्रभात कुमार ने सभी

पदाधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कांडों के उद्भेदन में तेजी लाते हुए समय पर चार्जशीट न्यायालय में समर्पित की जाए तथा अनुसंधान के दौरान इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल साक्ष्यों का अधिकतम संकलन किया जाए। इसके अलावा वारंट और कुर्की के निष्पादन में भी तेजी लाने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी आपराधिक घटना की सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों एवं कंट्रोल रूम को दी जाए। पुलिस पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें तथा क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर पेट्रोलिंग करें। रात के समय संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान सत्यापित करने, पहचान पत्रों की जांच करने तथा देर रात बाहर रहने के कारणों की जानकारी लेने का भी निर्देश दिया गया।

एसएसपी ने कहा कि क्षेत्र में सूचना तंत्र को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक है। यदि पुलिस को समय रहते हर गतिविधि की जानकारी मिलेगी तो अपराधों की रोकथाम में अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने एंटी क्राइम चेकिंग अभियान, वाहन जांच एवं संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी को नियमित रूप से संचालित करने पर बल दिया।

थाना स्तर पर शिकायतों के त्वरित निष्पादन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और किसी भी फरियादी को अनावश्यक परेशान न किया जाए।

नल-जल योजना की जलमीनार बनी शोभा की वस्तु

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बांका। कटोरिया प्रखंड क्षेत्र के बसमत्ता पंचायत अन्तर्गत वार्ड संख्या 11 के डहुआघाट गांव में सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना फ़ेल साबित हो रही है। गांव में निर्माणाधीन पीएचईडी विभाग का पानी टंकी यानि जलमीनार सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। जलमीनार का चदरा जर्जर होकर सड़ चुकी है एवं पाइप लाइन भी जगह-जगह से टूटी पड़ी है। और जल आने वाली टोंटी टूटकर बकरी बांधने का खूंटा बन गई है। ग्रामीणों के साथ संचालक ने आक्रोश जताते हुए कहा कि

जलमीनार का चदरा सड़ने से वर्षा का पानी सीधे मोटर के स्टार्टर पर गिरती है और बार-बार विभाग द्वारा लगये गये रिपेयरिंग मोटर खरब हो जाते है। तीन महिना पूर्व हुए मोटर खरब व जलमीनार के जर्जर स्थिति से ग्रामीणों को पानी नदी, कुआं या प्राइवेट चापाकल से पीना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा लगाये गए कई नालके मजदूर से उखड़वाकर उसी ने ले गया है और शेष बचे नलके कोई काम का नही रह गया है। पिछले दिनों जब जलमीनार संचालित होती थी तो अनेकों जगह पानी सप्लाई पाईप के फटने से कई ग्रामीणों के घर तक पानी नही पहुंच पाती थी क्योंकि पानी रास्ते में ही गिरकर बेकार हो जाता था जिसकी शिकायत के वाबजूद भी विभाग के लोग ध्यान नही देते थे। इस गांव में करीब 35 घर है जिनकी आबादी लगभग 300 के आसपास है। जलमीनार के संचालक पुरुषोत्तम यादव का कहना है कि विभाग के अधिकारीयों को कई बार इस समस्या से अवगत कराया पर वे लोग यहां के ठेकेदार को काम करने की सलाह देकर चले जाते है पर धरातल पर कोई काम नही होता है। मौके पर उषा देवी, सोनी देवी, कौशल्या देवी, पार्वती देवी, सुमित्रा देवी, रिता देवी, पिंकी देवी, ललीता देवी, प्रदीप यादव, धनराज यादव, पप्पू यादव, बबलू यादव, सुनील यादव, अहिल्या देवी के साथ अनेकों ग्रामीण मौजूद थे। इस मामले को लेकर पीएचईडी विभाग के कनीय अभियंता देवेन्द्र कुमार और ठेकेदार ने कहा जलमीनार की स्थिति का जायजा लेते हुए जर्जर टंकी और टूटी पाइप लाइन की मरम्मत कर जल्द सुचारु रूप से चालू कर दिया जाएगा।

जिले में निकलेगी भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

दूसरी बार आयोजित हो रही रथ यात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। हरे कृष्ण सेंटर द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा जिले में 19 जुलाई को दूसरी बार निकाला जयगा।इस संबंध में सोमवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में रथयात्रा की तैयारियों, कार्यक्रम की रूपरेखा तथा आयोजन के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। आयोजकों ने बताया कि जिले में भगवान श्री जगन्नाथ की यह रथयात्रा लगातार दूसरी बार आयोजित की जा रही है। पिछले वर्ष श्रद्धालुओं के उत्साहपूर्ण सहयोग और अभूतपूर्व सहभागिता को देखते हुए इस वर्ष भी रथयात्रा को और अधिक भव्य एवं आकर्षक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव 19 जुलाई (रविवार) को परम पूज्य भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज जी के दिव्य आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा।रथयात्रा का शुभारंभ सरयू सदन (काली मंदिर) से होगा। वहां से भव्य रथ डाकबंगला रोड एवं मुख्य बाजार मार्ग से होते हुए जी.डी. कॉलेज तक पहुंचेगा। रथयात्रा के दौरान भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा महारानी के दिव्य विग्रहों का दर्शन श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। संपूर्ण यात्रा में हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन, नृत्य एवं विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरे नगर में भक्ति एवं उत्साह का वातावरण निर्मित होगा।आयोजन समिति ने बताया कि रथयात्रा को सफल एवं भव्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। इस वर्ष हजारों श्रद्धालुओं के रथयात्रा में सम्मिलित होने की संभावना है। प्रेस वार्ता के दौरान आयोजन समिति के सदस्य संजय हिसारिया, कनिष्क हिसारिया, कमल मंगोटिया, मोहित, राजकमल, दीपेश, अच्युत एवं अभिषेक सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने बेगूसराय एवं आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने परिवार एवं मित्रों के साथ इस दिव्य रथयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करें।

छात्रावास जांच में 130 से अधिक छात्राएं मिलीं अनुपस्थित, सत्यापन प्रक्रिया शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में छात्रावासों के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सर जे.सी. बोस विद्यालय छात्रावास की जांच शुरू कर दी है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव के निर्देश पर गठित समिति द्वारा किए गए निरीक्षण में बड़ी संख्या में छात्राओं की अनुपस्थिति सामने आई है जांच के दौरान छात्रावास के अभिलेखों एवं नामांकित छात्राओं की उपस्थिति का सत्यापन किया गया। समिति को प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रावास में कुल 218 छात्राओं का नामांकन दर्ज है, जबकि निरीक्षण के समय केवल 70 छात्राएं ही उपस्थित पाई गईं। वहीं 130 से अधिक छात्राएं बिना किसी सूचना के अनुपस्थित मिलीं मामले

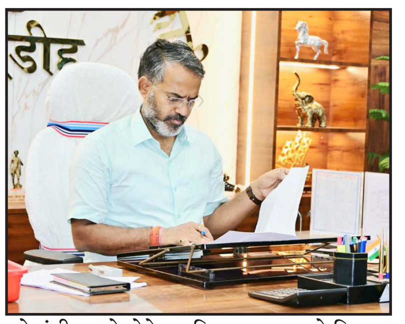

को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने विस्तृत सत्यापन प्रक्रिया शुरू कर दी है। उपायुक्त के निर्देशानुसार यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि छात्रावास में वास्तविक रूप से निवासरत एवं अध्ययनरत छात्राओं को ही सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिले। इसके लिए छात्राओं की पहचान और उपस्थिति का मिलान किया जा रहा है। समिति ने सभी अनुपस्थित छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे शीघ्र छात्रावास पहुंचकर पहचान सत्यापन कराएं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के भीतर सत्यापन नहीं कराने पर विभागीय नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी जिला प्रशासन ने छात्राओं एवं अभिभावकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सत्यापन प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा कराने में सभी की सक्रिय भागीदारी जरूरी है, ताकि छात्रावास व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित बनाया जा सके

कर्णपुरा में बहुफसली जमीन पर स्टेडियम निर्माण के विरोध में फॉरवर्ड ब्लॉक का धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की बेंगाबाद प्रखंड इकाई के बैनर तले सोमवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने कर्णपुरा में किसानों की बहुफसली जमीन पर प्रस्तावित स्टेडियम निर्माण का विरोध जताते हुए जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही प्रखंड क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, घटिया सड़क निर्माण और ठप पड़ी पेयजल योजनाओं समेत कई जनसमस्याओं को उठाया धरना कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष शिवनंदन यादव, उपाध्यक्ष रामलाल मंडल एवं महासचिव शंभू ठाकुर ने किया। नेताओं ने आरोप लगाया कि कर्णपुरा में किसानों की बहुफसली कृषि भूमि को स्टेडियम निर्माण के लिए अधिग्रहित करने की प्रक्रिया चल रही है, जबकि न्यायालय द्वारा कार्रवाई पर रोक लगाए जाने के बावजूद जमीन की घेराबंदी की जा रही है। उन्होंने इसे किसानों के हितों के खिलाफ बताते हुए तत्काल रोक लगाने की मांग की वक्ताओं ने कहा कि स्टेडियम निर्माण के लिए क्षेत्र में पर्याप्त बंजर भूमि उपलब्ध है, ऐसे में उपजाऊ कृषि भूमि का उपयोग करना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रखंड और अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार चरम पर है तथा बिना पैसे के आम लोगों के कार्य नहीं हो रहे हैं। इसके अलावा कई सड़कों के निर्माण में अनियमितता बरते जाने और पेयजल आपूर्ति योजनाओं के ठप होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है धरना को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि झारखंड में विकास योजनाओं के नाम पर जनता की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। यदि प्रशासन ने जल्द ही इन मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखाई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा पार्टी के जिला संयोजक एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य राजेश यादव ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों पर फॉरवर्ड ब्लॉक संघर्ष जारी रखेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा कार्यक्रम में शिवनंदन यादव, रामलाल मंडल, शंभू ठाकुर, मनोज यादव, संजय चौधरी, बलदेव साह, भुदाली पंडित, प्रेम साह, बलदेव मंडल, सुखदेव गोस्वामी, रियाज अंसारी, चोवा रजक, फोदार सिंह, भीम सिंह, खुभी यादव, सुरेन्द्र यादव, इंद्रजीत यादव, दीपक यादव, प्रकाश यादव, गौरी देवी, सत्यनारायण साह, कलावती देवी, साहिना खातून, भूषणी देवी, दिनेश्वर यादव, मो. फरीद, लैला बीबी, रविका देवी, सोनिया देवी, उमेश यादव, महेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

गिरिडीह में अतिक्रमण हटाओ अभियान, सड़क किनारे लगी दुकानों पर कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से नगर निगम ने ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत गांधी चौक से बड़ा चौक तक सड़क किनारे अस्थायी रूप से लगाए गए ठेले, खोमचे और अन्य अतिक्रमणों को हटाया गया। साथ ही सड़क पर अवैध रूप से खड़े दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए कई वाहनों का चालान काटा गया अभियान के दौरान कुछ फुटपाथी दुकानदारों ने निगम की कार्रवाई का विरोध किया और अधिकारियों के साथ उनकी बहस भी हुई। दुकानदारों का कहना था कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें हटाया जाना उचित नहीं है। उनका आरोप है कि इस तरह की कार्रवाई से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की कि प्रशासन पहले उनके लिए स्थायी स्थान चिह्नित करे, उसके बाद वे अपनी दुकानें वहां स्थानांतरित कर देंगे। दुकानदारों ने यह भी सवाल उठाया कि शहर में शाम के समय सड़क किनारे लगने वाली फास्ट फूड, चाट और अन्य अस्थायी दुकानों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जाती, जबकि दिन के समय छोटे दुकानदारों को निशाना बनाया जाता है वहीं नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण यातायात बाधित करता है और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

40 प्रतिशत लाभ के झांसे में फंसे सैकड़ों ग्राहक, राधा स्वामी संगठन के बंद कार्यालय पर फूटा गुस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पचंबा थाना क्षेत्र के बलखंजो स्थित राधा स्वामी संगठन की कथित "60-40 योजना" में निवेश करने वाले सैकड़ों लोग इन दिनों आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ग्राहकों का आरोप है कि संगठन ने 40 प्रतिशत लाभ तथा वाहन की मासिक किस्त स्वयं जमा करने का भरोसा देकर लोगों से बड़ी राशि जमा कराई, लेकिन पिछले कई महीनों से किस्तों का भुगतान बंद कर दिया गया है। इसके कारण फाइनेंस कंपनियों का दबाव सीधे ग्राहकों पर बढ़ गया है।सोमवार को गिरिडीह, बगोदर, डुमरी, सरिया, बेंगाबाद समेत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में प्रभावित लोग अपनी शिकायत लेकर बलखंजो स्थित संगठन के कार्यालय पहुंचे। हालांकि कार्यालय बंद मिलने पर लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। कई लोग घंटों तक कार्यालय के बाहर जमा रहे और संगठन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई

की मांग की।पीड़ितों के अनुसार संगठन ने लोगों से मोटी रकम जमा कराकर दोपहिया वाहन उपलब्ध कराया था। इसके बदले यह आश्वासन दिया गया था कि वाहन की मासिक ईएमआई संगठन की ओर से जमा की जाएगी। शुरुआती कुछ महीनों तक किस्तों का भुगतान किया भी गया, लेकिन बाद में यह पूरी तरह बंद हो गया परिणामस्वरूप कई ग्राहकों की छह से पंद्रह महीने तक की किस्तें बकाया हो गई हैं और फाइनेंस कंपनियां अब सीधे उनसे वसूली कर रही हैं बगोदर प्रखंड के पोखरिया गांव की रेखा देवी ने बताया कि उन्होंने कर्ज लेकर संगठन में पैसा जमा किया था और बाइक खरीदी थी। कुछ महीनों तक किस्त जमा होने के बाद भुगतान बंद हो गया। अब फाइनेंस कंपनी के प्रतिनिधि लगातार घर पहुंचकर किस्त जमा करने का दबाव बना रहे हैं। अपनी परेशानी बताते हुए वह भावुक हो गईं वहीं डुमरी निवासी सत्यनारायण कुमार ने बताया कि उन्होंने बेटी की शिक्षा के लिए करीब डेढ़ लाख रुपये संगठन में निवेश किए थे। उन्हें हर महीने चार हजार रुपये की शैक्षणिक सहायता मिलने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक एक भी भुगतान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इससे बेटी की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा है ऐसे ही कई अन्य ग्राहकों ने आरोप लगाया कि संगठन के एजेंट और पदाधिकारी लगातार भुगतान जल्द शुरू होने का आश्वासन देते रहे, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। अब संगठन से जुड़े जिम्मेदार लोगों से संपर्क भी नहीं हो पा रहा है मामले में संगठन का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संबंधित लोगों के मोबाइल फोन बंद मिले। संगठन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है इधर, लगातार बढ़ती शिकायतों और कार्यालय बंद मिलने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रभावित ग्राहकों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने, जमा राशि वापस दिलाने तथा बकाया किस्तों की समस्या का समाधान कराने की मांग की है फिलहाल इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में पीड़ित लोगों की निगाहें प्रशासन और पुलिस की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। अब देखना होगा कि जांच एजेंसियां इस मामले में क्या कदम उठाती हैं और प्रभावित लोगों को कब तक राहत मिल पाती है।

सहयोग शिविरों के माध्यम से आमजनों को मिली विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान द्वारा नवादा सदर प्रखंड अंतर्गत आंती पंचायत में आयोजित "सहयोग शिविर" का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित "सहयोग शिविर" आमजनों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को जिले के विभिन्न पंचायतों एवं वार्डों में सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा "सहयोग पोर्टल" भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से आमजन अपनी शिकायत अथवा आवेदन ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। पोर्टल पर प्राप्त

आवेदनों पर 30 दिनों के भीतर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ आमजनों की समस्याओं का निष्पादन करें, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लाभुकों तक पहुंच सके। उक्त शिविर में जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा राशन कार्ड, शौचालय प्रोत्साहन राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।शिविर में परिमार्जन, फार्मर रजिस्ट्रेशन, छूटी हुई जमाबंदी तथा म्यूटेशन से संबंधित कुल 05 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में वरीय पदाधिकारी, संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संघर्ष और जनआंदोलनों की पहचान बने राजेश सिन्हा, मजदूरों से लेकर पर्यावरण तक उठाते रहे आवाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाकपा माले के नेता राजेश सिन्हा जिले में जनसरोकारों से जुड़े आंदोलनों और संघर्षों के लिए जाने जाते हैं। मजदूरों के अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने और जनसमस्याओं को लेकर लगातार आंदोलन करना उनकी राजनीतिक पहचान बन चुकी है। उनका कहना है कि बचपन से ही धारा के विपरीत चलने और संघर्ष करने की प्रवृत्ति रही है मजदूरों के हक अधिकार की लड़ाई में राजेश सिन्हा और उनके सहयोगियों की भूमिका प्रमुख रही है। मजदूरों की छंटनी, मुआवजा, ईपीएफ, बीमा तथा श्रमिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर वे लगातार आंदोलन करते रहे हैं। उनका दावा है कि किसी भी मामले को तब तक नहीं छोड़ते जब तक उसका समाधान नहीं हो जाता।राजेश सिन्हा उसरी नदी बचाओ अभियान से भी लंबे समय से जुड़े रहे हैं। उन्होंने बताया कि करीब दस वर्षों तक चले जनजागरूकता अभियान, आंदोलन और उसरी महोत्सव जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नदी संरक्षण के लिए जोड़ा गया। अभियान की ओर से राज्य सरकार और संबंधित मंत्रियों को लगातार अवगत कराया गया, जिसके परिणामस्वरूप उसरी नदी क्षेत्र में कॉरिडोर, शास्त्रीनगर पुल, छिलका डैम और उसरी फॉल के विकास कार्यों को गति मिली है। हालांकि उन्होंने कहा कि छिलका डैम परियोजना में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए विभागीय अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है।औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण और श्रमिक हितों के सवाल पर भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रमिक नेताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। राजेश सिन्हा ने कहा कि आने वाले समय में गांव-गांव संगठन का विस्तार कर जनता की समस्याओं को आंदोलन के माध्यम से उठाया जाएगा सलैया स्टेशन रोड के निर्माण और मरम्मत को लेकर चल रहे संघर्ष में भी राजेश सिन्हा सलैया संघर्ष मोर्चा के साथ जुड़े रहे। उन्होंने बताया कि लगातार बैठकों, ज्ञापन और जनदबाव के बाद रेलवे प्रशासन तथा संबंधित विभागों ने मामले का संज्ञान लिया। उनका दावा है कि इस आंदोलन का सकारात्मक प्रभाव पड़ा और सड़क निर्माण का रास्ता साफ हुआ राजेश सिन्हा ने कहा कि उन्होंने कई सरकारी और निजी जमीनों को अतिक्रमण तथा कथित कब्जे से बचाने के लिए भी संघर्ष किया है। इसके अलावा हाल के दिनों में जीएसटी कार्यालय में कथित घूसखोरी के मामले को लेकर शिकायत की गई, जिसके बाद जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की उन्होंने दावा किया कि पहले औद्योगिक दुर्घटनाओं में मृत श्रमिकों के परिजनों को सीमित मुआवजा मिलता था, लेकिन लगातार संघर्ष के कारण अब निर्धारित सरकारी मानकों के अनुसार मुआवजा दिलाने में सफलता मिल रही है। साथ ही फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों की जांच की मांग भी लगातार उठाई जा रही है राजेश सिन्हा का कहना है कि किसी भी दुर्घटना, आपदा या जनसमस्या की सूचना मिलने पर वे दिन-रात लोगों के बीच पहुंचने का प्रयास करते हैं। इसी वजह से जिले में उन्हें संघर्ष और जनआंदोलनों की राजनीति का प्रमुख चेहरा माना जाता है।

मशहूर कवि एवं समाजसेवी आदित्य प्रसाद साहू का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले के प्रसिद्ध कवि, समाजसेवी, सामाजिक सुधारक, रामनवमी महासमिति के संरक्षक तथा भाजपा कार्यकर्ता 75 वर्षीय आदित्य प्रसाद साहू का रविवार को रांची स्थित रिम्स में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही खूंटी सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। आदित्य प्रसाद साहू अपने साहित्यिक योगदान, सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के लिए व्यापक रूप से जाने जाते थे। उनके निधन को सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। उनके निधन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा तथा पूर्व विधायक एवं मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे समाज की बड़ी क्षति बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो, अनुप कुमार साहू, विश्व बांग्ला हिंदी संगम परिषद के अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार घोष, मार्शल बारला, जिला परिषद अध्यक्ष मंजू देवी तथा जितेंद्र पांडे सहित कई गणमान्य लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की।

आयोजित शोकसभा में समाजसेवी डॉ. धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि आदित्य प्रसाद साहू मृदुभाषी, सरल स्वभाव और सर्वजन हिताय की भावना रखने वाले अत्यंत मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने कहा कि आदित्य जी के साथ उनके कई अविस्मरणीय संस्मरण जुड़े हुए हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। उनके विचार और कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

डॉ. तिवारी ने कहा कि दुर्भाग्यवश बीमारी ने उन्हें समय से पहले हमसे छीन लिया। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें। शोकसभा में महेश चौधरी, सकलदीप भगत, संजय सत्संगी, विष्णु देव चौधरी, राधेश्याम भगत और सूरजमल प्रसाद सहित अन्य लोगों ने भी दिवंगत आदित्य प्रसाद साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक एवं साहित्यिक योगदान को याद किया।

केवाली पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में उमड़े फरियादी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड के केवाली पंचायत सरकार भवन में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन लेकर पहुंचे। शिविर में सदर एसडीओ अमित अनुराग,बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार,सीओ मनीष कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित मामलों में आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान कई लाभुकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ मौके पर ही उपलब्ध कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आम लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन जमा कराया।

फिर शुरू हुई धर्मशीला हॉस्पिटल की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। उच्च स्तरीय जांच के दायरे में आए नवादा नगर के केंदुआ स्थित धर्मशीला देवी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की मुश्किले और अधिक बढ़ने वाली है क्योंकि विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव और इलाज में लापरवाही के कारण अपने पुत्र अखिलेश कुमार को खो चुके पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजबल्लभ प्रसाद द्वारा अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध किए गए मुकदमें की उच्च स्तरीय जांच पुनः शुरू हो गई है । इस बाबत 2 जून को पांच सदस्यीय जांच कमिटी सदर अस्पताल पहुंची और शिकायतकर्ता समेत अन्य प्रत्यक्षदर्शियों का बयान दर्ज किया । अपना पक्ष रखने के लिए राजबल्लभ प्रसाद स्वंय प्रस्तुत हुए और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी लिखित और मौखिक दोनों रूप में जांच दल के समक्ष रखे । उन्होंने धर्मशीला देवी हॉस्पिटल के संचालक पर लगाए गए समस्त आरोपों को दोहराते हुए जोड़ा कि इस घटना के पूर्व भी कई ऐसी घटनाएं घटी है जिसमें चिकित्सकों की लापरवाही और प्रबंधन के भ्रष्ट रवैये के कारण मरीजों का दमन उत्पीड़न के साथ जान तक चली गई है । इसी बीच सदर विधायक विभा देवी भी जांच दल के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि धर्मशीला देवी हॉस्पिटल के डॉक्टरों के द्वारा अगर मेरे बेटे को दो घंटा पहले भी रेफर कर दिया जाता तो उसकी जान नहीं जाती । उन्होंने अखिलेश कुमार के इलाज के दौरान घटी पूरी घटनाओं का ब्यौरा विस्तार से बताया और लिखित रूप में अपना बयान दर्ज किया। जांच दल से उन्होंने आग्रह किया कि इस निजी हॉस्पिटल को तत्काल प्रभाव से शील किया जाय और दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाय। लिखित बयान दर्ज करने के बाद पूर्व मंत्री ने कहा कि इस हॉस्पिटल के प्रबंधक की आपराधिक चरित्र कई बार सामने आ चुकी है उसके बावजूद हॉस्पिटल का लाइसेंस बरकरार रहना आश्चर्यजनक है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सदर हॉस्पिटल के मरीजों को यहां के चिकित्साकर्मी जो धर्मशीला देवी हॉस्पिटल का पार्टनर भी है के द्वारा ही बहला फुसलाकर धर्मशीला देवी हॉस्पिटल ले जाया जाता है और मरीजों का शोषण दोहन होता है। बजाज स्वास्थ्य बीमा कंपनी द्वारा किए गए मुकदमें में भी स्पष्ट आरोप लगाया गया है कि सदर अस्पताल से रेफर किये गए फर्जी मरीजों के नाम पर करोड़ो रुपए की राशि की अवैध निकासी की गई है जो जांच का विषय है। मौके पर कादिरगंज के एक बालक की किडनी निकाल कर बेचने का मामला भी उठाया गया। शिकायतकर्ता ने स्वंय जांच दल के सामने इसका साक्ष्य प्रस्तुत किया। इसी प्रकार कई और पीड़ित अभिभावकों ने धर्मशीला देवी हॉस्पिटल प्रबंधक के कारगुजारियों को जांच दल के सामने रखा । इस बीच पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि हमने जांच दल के सामने पूरी सच्चाई रख दी है और उम्मीद करता हूं कि आरोपी के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई होगी।

जांच दल में निम्न सदस्य शामिल थे

1) डॉ परिणय शरण सिन्हा (प्रमुख निदेशक , स्वास्थ्य विभाग)

2) डॉ अनिल कुमार

3) डॉ राजकुमार

4) डॉ राकेश कुमार

बिहार के सभी महान विभूतियों का गांव आदर्श ग्राम के रूप में विकसित हो : विवेक ठाकुर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने विगत दिनों बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात के दौरान बिहार के सभी महान विभूतियों के स्थली को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु आग्रह किया था। जिसपर मुख्यमंत्री ने बिहार के सभी महान विभूतियों की जन्मस्थलियों का सर्वेक्षण कराने तथा चरणबद्ध तरीके से उन्हें "आदर्श ग्राम" के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करने हेतु निर्देशित किया है। इस पहल के लिए सांसद ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। सांसद विवेक ठाकुर ने कहा बिहार ज्ञान, संस्कृति, आध्यात्म, स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक सुधार और राष्ट्र निर्माण की महान परंपरा का केंद्र रहा है। ऐसे में उन महापुरुषों से जुड़े स्थलों को संरक्षित एवं विकसित करना समय की आवश्यकता है, जिन्होंने अपने विचारों और कार्यों से देश-दुनिया को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि बिहार की नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और महान व्यक्तित्वों से जोड़ने के लिए उनकी स्थलियों को प्रेरणा केंद्र के रूप में विकसित किया

जाएगा। सांसद विवेक ठाकुर ने विशेष रूप से नवादा लोकसभा के महान विभूतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह लोकसभा भी ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध रहा है। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह, जवाहर रजवार इत्यादि की स्मृतियों को संरक्षित कर उसका समग्र विकास किया जाएगा। सांसद विवेक ठाकुर ने कहा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कुशल नेतृत्व एवं सुशासन के संकल्प से बिहार निश्चित ही विकास, समृद्धि एवं आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित करेगा।

प्रभारी जिला सचिव ने सहयोग शिविरों का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। अकबरपुर प्रखंड के माखर पंचायत एवं रजौली प्रखंड के रजौली पश्चिमी पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण प्रभारी जिला सचिव हिमांशु शर्मा द्वारा किया गया। प्रभारी जिला सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से उन्हें जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।इस अवसर पर प्रभारी सचिव द्वारा निष्पादित आवेदनों से संबंधित स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। इसके उपरांत प्रभारी जिला सचिव हिमांशु शर्मा, जिला पदाधिकारी नवादा रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक नवादा अभिनव धीमान द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज, नवादा का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कॉलेज में उपलब्ध शैक्षणिक एवं आधारभूत संरचनाओं, छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा संस्थान की समग्र कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा परिसर में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन करते हुए संस्थान के सुचारु संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि तथा छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

तप रही धरती, तड़प रहे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। इन दिनों भीषण गर्मी से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। 10 बजते ही सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है। आदमी के साथ भीषण गर्मी में जानवर भी बेहाल हैं। जानवर प्यास बुझाने के लिए पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते नजर आते हैं। चिलचिलाती गर्मी ने जनजीवन प्रभावित किया है। लोग दिन भर गर्मी में पसीने से तर-बतर होकर झुलसने को मजबूर हैं। मंगलवार को अधिकतम 39 डिग्री तापमान अंकित की गई है। ऐसा प्रतीत हो रहा जैसे आसमान से आग बरस रहा है। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि ने लोगों को झुलसा दिया है। गर्मी ने प्रचंड रूप धारण कर लिया है। गर्मी इतनी अधिक पड़ रही है कि लोग अपने घरों से निकलने में परहेज करने लगे हैं। साथ ही दिन के समय चलने वाली गर्म हवा लोगों की परेशानी को बढ़ा दिया है। चल रही गर्म हवाओं के कारण लोगों का शरीर झुलस रहा है। लोग पूरे शरीर को कपड़ों से ढककर घरों से निकलने को मजबूर हैं। गर्मी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही दिन के समय शहर व गांवों की सड़क व गलियां सुनसान हो जाती हैं। गलियों में इक्का-दुक्का लोग ही नजर आते हैं। लोग घरों से निकलने में परहेज करने लगे हैं। दिन के समय मार्केट में दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करने को मजबूर हैं। वहीं भीषण गर्मी व तेज गति से चल रही गर्म हवाओं में सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को आ रही हैं।

करंट से दो मासूमों की गई जानें

गुस्साये लोगों ने किया सड़क जाम, मुआवजे की मांग

पुलिया में जमे पानी में प्रवाहित हो रहा था करंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खिलाफतपुर गांव में मंगलवार को 440 वोल्ट के खुले बिजली तार की चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई।

बक्सर थर्मल पावर प्लांट के कोयला डिपो के समीप निमार्णाधीन सड़क के नीचे पुलिया के पास कुछ स्थानीय लोगों द्वारा गुजारे गए निजी तार कटे-छंटे हालत में थे और पुलिया के नीचे जमा पानी से इनका संपर्क हो रहा था।

महादलित बस्ती निवासी ढोंढा मुसहर के 10 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार तथा दिमागी मुसहर के 12 वर्षीय पुत्र सुभाष कुमार मंगलवार की सुबह खेलते हुए पुलिया के नीचे पहुंच गए। यहां दोनों बच्चे बिजली के करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही मारे गए।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने चौसा यादव मोड़ तिमुहानी के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने बिजली कंपनी को हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की।

सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। मुआवजा दिलाने और मामले की जांच कराने के आश्वासन के बाद करीब आधे घंटे में जाम समाप्त हो गया।

अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही प्रभावित को सरकारी लाभ की प्रक्रिया चल रही है।

हॉस्टल से नीट की छात्रा की मिली लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नीट की तैयारी कर रही छात्रा का शव मिला है। घटना पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के सचिवालय कॉलोनी स्थित राधे कृष्णा हॉस्टल में हुई है। मंगलवार सुबह 17 साल की छात्रा का शव फंदे से झूलता देखकर सबलोग दंग रह गए। हॉस्टल संचालक ने फौरन पुलिस और परिजनों को सूचना दी। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने एफएसएल की टीम को भी साथ लाया। एफएसएल की टीम साक्ष्य जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार, 17 साल की छात्रा समस्तीपुर की रहने वाली थी। वह पिछले दो वर्ष से पटना में नीट परीक्षा की तैयारी करती थी। प्रथम द्दष्टया मामला आत्महत्या लग रहा है। परिजनों से मामले की जानकारी ली जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। किसी लड़के की ओर से परेशान करने की बात भी सामने आ रही है। छात्रा के कॉल डिटेल्स को भी खंगाला जा रहा है। लड़के की तलाश की जा रही है।

हॉस्टल संचालक आभा सिंह ने बताया कि रोजाना की तरह छात्रा सोमवार रात खाना खाकर सो रही है। वह पिछले कुछ दिनों से परेशान थी। उसकी दोस्त का कहना है कि छात्रा के अभिभावक उससे बातचीत नहीं कर रहे थे। इस कारण वह कुछ तनाव में भी रहती थी। परिजनों का कहना है कि कोई लड़का है, जो उसे काफी दिनों से परेशान कर रहा था। पुलिस से अपील है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और मामले की जांच करे।

रिश्वत लेते थाने का चालक धराया, बालू के खेल की खुल सकती है पोल

- बालू कारोबार से जुड़े लोगों से लेता था रिश्वत
- इससे जुड़े कई अन्य भी निगरानी के रडार पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। अवैध बालू उठाव और परिवहन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए निगरानी विभाग की टीम ने झाझा थाना में पदस्थापित सरकारी चालक जितेंद्र कुमार को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। चालक की गिरफ्तारी के बाद थाना क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, सरकारी चालक जितेंद्र कुमार पर अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों से सुविधा देने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप था।

शिकायत की जांच के बाद निगरानी विभाग की टीम ने जाल बिछाकर उसे 12 हजार रुपये घूस लेते हुए दबोच लिया। बताया जाता है कि उक्त राशि अवैध बालू उठाव और परिवहन को लेकर बालू माफिया से ली जा रही थी। निगरानी की कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई। गिरफ्तारी के बाद टीम उसे अपने साथ लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है।

इस कार्रवाई को अवैध बालू कारोबार और उससे जुड़े भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी पहल माना जा रहा है। वहीं, मामले के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में भी चर्चा का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि चालक की गिरफ्तारी से बालू उठाव और परिवहन से जुड़े लोगों की भी अब खैर नहीं है। उसकी गिरफ्तारी के अलावे उसके हिस्सेदार भी अब निगरानी के रडार पर आ गये हैं, जिसका जल्द ही पोल खुलने की आशा है। फिलहाल निगरानी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

खेत में सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या

घोड़े पर सवार हथियारों से लैस पहुंचे थे अपराधी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। बिहार के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के टीकारामपुर स्थित बनारसी राय टोला में सोमवार देर रात अपराधियों ने खेत में सो रहे एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मंसूरी यादव (30), पिता जोगेशर यादव, के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, मंसूरी यादव ट्रैक्टर चलाकर और फसलों की दौनी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। सोमवार रात वह दौनी का काम समाप्त करने के बाद खेत में ही फसल की रखवाली के लिए सो रहे थे। इसी दौरान देर रात चार से पांच की संख्या में घोड़े पर सवार अपराधी वहां पहुंचे और उनकी कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश फरार हो गए।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक अपराधी भाग चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतक के भाई नंदन यादव ने बताया कि करीब 10 दिन पहले कुछ अपराधियों ने उनके भाई से रंगदारी की मांग की थी। रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। उनका आरोप है कि उसी धमकी के बाद अपराधियों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

इधर, मुफस्सिल थानाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक की पत्नी के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

रोक के बाद भी धड़ल्ले से बिक रहा ताड़ी

नीरा की खरीददारी और बिक्री जीविका की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अरवल। जिला में नीरा उत्पादन में केवल सरकारी पैसों की फिजूलखर्ची हो रही है। लोग नीरा की जगह ताड़ी पी रहे है जबकि नियम के अनुसार ताड़ी बेचना प्रतिबंधित है फिर भी जिले में लोग ताड़ी पी रहे हैं।

लेकिन उत्पाद विभाग या पुलिस के द्वारा प्रतिबंध के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। सड़क किनारे ताड़ी बेचने से वाहन चालक भी ताड़ी पीते हैं और नशे में दुर्घटना के शिकार होते हैं।

ताड़ के पेड़ से ताड़ी उतारने वाले दोहरा लाभ ले रहे, एक तरफ उत्पाद विभाग से नीरा उत्पादन करने का लाइसेंस लेकर सरकारी लाभ का फायदा उठा रहे और दूसरी तरफ नीरा की जगह दिनभर ताड़ी बेचते है।

जीविका देती है टैपर और ताड़ मालिक को पैसा

उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि आवेदन करने वाले 108 टैपर का लाइसेंस इस वर्ष दिया गया है जिसमें 99 का रिनिवल किया गया है। यहां से टैंपर का केवल लाइसेंस निर्गत होता है नीरा की खरीदारी, बिक्री करवाने की जिम्मेवारी जीविका को मिली हुई है।

जीविका के पदाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि बताया कि अभी जीविका के द्वारा जिले के पांचों प्रखंडों में एक एक नीरा संग्रह केंद्र खुला हुआ है। जिसमें टैपर से ग्रेड ए के नीरा 40 रुपए लीटर और ग्रेड बी नीरा 35 रुपए लीटर लिया जाता है।

अभी शुरूआत में पांच केंद्रों पर नीरा की बिक्री होती है। इसके अलावा टैपर को 16 हजार 500 और ताड़ मालिक को एक ताड़ के लिए 6 रुपए जीविका के माध्यम से दिया जाता है। नीरा से प्राप्त होने वाले राजस्व के बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि अभी इसकी जानकारी नहीं है।

उत्पाद अधीक्षक नित्यानंद प्रसाद ने बताया कि ब्रेथ एनालाइजर मशीन से पियक्कड़ों की जांच की जाती है। शराब और ताड़ी दोनों पीने पर मशीन नशा में बताता है इसके बाद नियम अनुसार कार्रवाई की जाती है। ताड़ी बेचने वाले को ताड़ी बर्बाद कर न बेचने की चेतावनी दी जाती है।

सहयोग शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा (नालंदा)। मंगलवार को प्रखंड के कछियाबां के पंचायत सरकार भवन एवं दामोदरपुर बलधा के पंचायत सरकार भवन दामोदरपुर में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे, अपने-अपने समस्याओं को रखा। मौके पर वीडियो ओम प्रकाश कुमार ने शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अब आप लोगों को किसी भी कार्य को लेकर पंचायत से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। शिविर में आकर अपनी समस्याओं को तुरंत समाधान पाएं। इस मौके पर वीडियो ओमप्रकाश कुमार, सीओ सत्येंद्र कुमार, कछियाबां पंचायत के मुखिया उषा सिन्हा ,सरपंच खुशबू कुमारी कछियाबां पंचायत के कृषि सलाहकार चंद्रमणि कुमार अकेला ,राजस्व कर्मचारी अंकित कुमार, पंचायत सचिव दीपक कुमार, इंदिरा आवास सहायक राकेश कुमार विकास मित्र ब्रह्मदेव कुमार समेत प्रखंड स्तरीय एवं पंचायत स्तरीय कर्मी मौजूद थे।

कोचिंग जा रही छात्रा की सड़क हादसे में मौत

दो सहेलियां घायल, सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के रोसड़ा अनुमंडल क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 16 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई, जबकि उसकी दो सहेलियां घायल हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया और उन्होंने एसएच-55 को जाम कर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

मिली जानकारी के अनुसार, निकिता कुमारी (16 वर्ष), पिता सत्तो पासवान, निवासी रहुआ वार्ड संख्या-8, अपनी सहेलियों के साथ सेंटर चौक स्थित एक कोचिंग संस्थान में दसवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए जा रही थी। बताया जाता है कि छात्राएं द्दष्टि कोचिंग सेंटर पहुंचने ही वाली थीं कि इसी दौरान सिंधिया चौक की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा बालू लदा 22 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर छात्राओं को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में निकिता गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के बाद एंबुलेंस और पुलिस के पहुंचने में लगभग एक घंटे की देरी हुई। एंबुलेंस के आने से पहले ही निकिता ने घटनास्थल पर दम तोड़ दिया। घटना में निकिता की दो सहेलियां भी घायल हुई हैं। नेहा कुमारी (16 वर्ष), पिता उमेश पंडित, के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि शांति कुमारी (16 वर्ष), पिता रमाकांत सहनी, निवासी रहुआ, भी घायल हो गई। दोनों का स्थानीय चिकित्सक द्वारा उपचार किया गया।

दुर्घटना के बाद ट्रक भी सड़क किनारे पलट गया, जबकि चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतका निकिता अपने माता-पिता की तीन बेटियों और दो बेटों में से एक थी। बेटी की असामयिक मौत से मां ममता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

एस चंद्रशेखर को सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश की नियुक्त पर चैनपुर में उत्सवी माहौल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार की गौरवशाली माटी ने एक बार फिर देश के सर्वोच्च न्यायिक मंच पर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

मंगलवार को उन्होंने शीर्ष अदालत के जज के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस ऐतिहासिक खबर के आम होते ही उनके पैतृक गांव मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड स्थित चैनपुर में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल है और ग्रामीण इसे अपने क्षेत्र के लिए एक स्वर्णिम दिन मान रहे हैं।

जस्टिस चंद्रशेखर का परिवार वर्तमान में गांव से बाहर रहता है, लेकिन कुढ़नी प्रखंड के अपने पैतृक गांव चैनपुर की मिट्टी से उनका जुड़ाव हमेशा की तरह अटूट है। जैसे ही ग्रामीणों को उनके सुप्रीम कोर्ट में जज बनने की आधिकारिक सूचना मिली, गांव के शुभचिंतक, मित्र और संबंधी एक जगह इकट्ठा हो गए। लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को बधाई दी।

इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए ग्रामीणों ने जस्टिस चंद्रशेखर के पैतृक आवास के सामने स्थित मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और भव्य हवन का आयोजन किया। विद्वान पुरोहितों और गांव के बुजुर्गों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनके दीघार्यु होने और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। इसके बाद पूरे गांव में बड़े पैमाने पर मिठाइयां बांटी गईं, जिससे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया।

इस बेहद भावुक और गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बने जस्टिस चंद्रशेखर के चाचा युगल किशोर सिंह और मामा नवल किशोर सिंह ने गांव वालों के साथ मिलकर इस जश्न की कमान संभाली। उन्होंने बधाई देने आ रहे शुभचिंतकों का मुंह मीठा कराया।

चैनपुर गांव के वरिष्ठ नागरिकों ने उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि को याद करते हुए बताया कि जस्टिस एस चंद्रशेखर के पिता श्याम किशोर सिंह इसी गांव से जुड़े एक अत्यंत सम्मानित और कर्तव्यनिष्ठ सेवानिवृत्त अभियंता (इंजीनियर) हैं।

उन्होंने अपने बच्चों को सदैव उच्च शिक्षा और संस्कारों की प्रेरणा दी। ग्रामीणों का कहना है कि जब भी जस्टिस चंद्रशेखर का परिवार गांव आता है, उनका व्यवहार बेहद सरल, सौम्य और जमीन से जुड़ा रहता है। इस दौरान मुकेश कुमार सिंह, निरंजन कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह, रामबाबू सिंह, सोनू प्रताप सिंह, अनिल साह और मच्छु पासवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ शुरू

हाथी, घोड़े, ऊंट व बैंड-बाजों से सजी शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। नगर पंचायत एकमा बाजार के भरहोपुर के टोला गंजपर स्थित बिहार सरकार के पूर्व मंत्री गौतम सिंह के आवासीय परिसर में मंगलवार से मानव कल्याण व क्षेत्रीय जनता की खुशहाली की कामना से आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ का शुभारंभ श्रद्धा व भक्ति के वातावरण में हुआ। महायज्ञ के प्रथम दिन निकाली गई भव्य कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हाथी, घोड़े, ऊंट तथा बैंड-बाजों से सुसज्जित शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय माहौल से सराबोर कर दिया।

कलश यात्रा यज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर नौतन बाजार, शीतलपुर, बरेजा और नरपलिया होते हुए मांझी स्थित सरयू नदी के रामघाट पहुंची। यहां वाराणसी से पधारे यज्ञाचार्य पंडित सुमित दुबे के सानिध्य में पंडित अखिलेश पाण्डेय, पवन अवस्थी तथा पुरोहित विपिन मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं से जलभरी कराई। इसके बाद श्रद्धालु पवित्र कलश लेकर पुनः यज्ञ स्थल पहुंचे, जहां विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर महायज्ञ का शुभारंभ कराया गया।

पूरे मार्ग में जय श्रीराम, जय हनुमान और जय बजरंगबली के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की आस्था व उत्साह ने धार्मिक आयोजन को विशेष भव्यता प्रदान की।

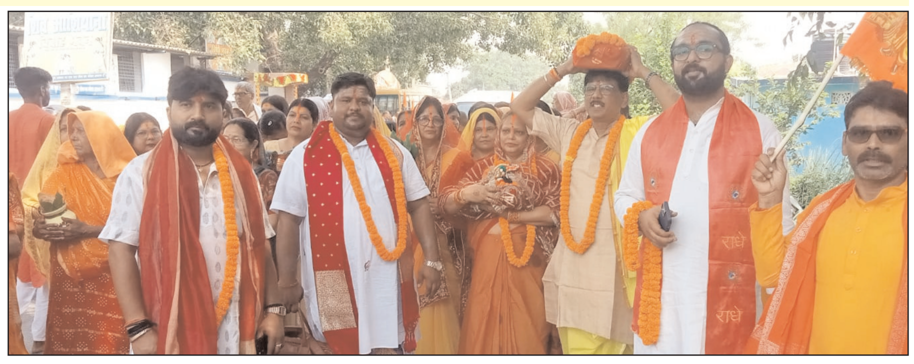

आयोजक शिक्षाविद ई. जयप्रकाश सिंह ने बताया कि महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन वाराणसी के प्रसिद्ध कथा वाचक डॉ. अमरेंद्र दुबे द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। इसके अलावा दैनिक पूजन, हवन, आरती एवं विभिन्न धार्मिक प्रसंगों पर प्रवचन का आयोजन भी होगा। उन्होंने बताया कि 9 जून को हवन, पूणार्हुति एवं महाप्रसाद वितरण के साथ महायज्ञ का समापन किया जाएगा।

कलश यात्रा में पूर्व मंत्री गौतम सिंह, महात्तम सिंह, शिवजी सिंह, ओमप्रकाश सिंह, ई जयप्रकाश सिंह, वार्ड पार्षद रंजीत कुमार सिंह उर्फ युगुल सिंह, प्रदीप सिंह पप्पू, मनोज कुमार सिंह उर्फ पप्पू भैया, मुखिया सुमित सिंह, दीपक सिंह चुल्लू, विनोद सिंह, राकेश सिंह उर्फ सीटी सिंह, लालबाबू सिंह, योगेश कुमार सिंह, काजू सिंह, मुकेश सिंह, राजू सिंह, धनंजय सिंह, कौशल्या देवी, अंजू देवी, कांति देवी, रमन देवी, प्रतिभा देवी, संध्या सिंह, अनामिका सिंह, विनीता देवी, रिपु देवी आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

सहयोग शिविर में अधिकारियों ने सुनीं लोगों की समस्याएं

कई मामले हुए मौके पर ही निष्पादित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र के बाल्लीपुर एवं भटौरा पंचायत में मंगलवार को पंचायत स्तरीय सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी संदीप कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह, अंचल अधिकारी बिणा भारती एवं अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं लाभुक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं और योजनाओं से संबंधित आवेदन अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए इस अवसर पर अधिकारियों ने बारी-बारी से विभिन्न विभागों से संबंधित लाभुकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। शिविर में राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आवास योजना, मनरेगा, कृषि, स्वास्थ्य, बाल विकास, जीविका एवं भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया शिविर में प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी निभा कुमारी ने महिलाओं एवं बच्चों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी वहीं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नूरजहां ने राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से सुना। कृषि पदाधिकारी सतीश कुमार ने किसानों को सरकारी योजनाओं एवं आधुनिक खेती की जानकारी दी पीएचसी प्रभारी डॉ. सुमित कुमार एवं हेल्थ मैनेजर अमानुल्लाह ने स्वास्थ्य सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया बीपीआरओ नाजिश परवीन, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी बबलू कुमार, हथौड़ी थाना अध्यक्ष मौसम एवं शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने भी लोगों की समस्याएं सुनीं तथा प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया जीविका की बीपीएम नीतू कुमारी ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार एवं सरकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया इस दौरान मुखिया अनीता देवी ने पंचायतवासियों से सरकार की योजनाओं का लाभ लेने एवं अपनी समस्याओं को शिविर के माध्यम से प्रशासन तक पहुंचाने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि पंचायत स्तर पर इस तरह के सहयोग शिविर आयोजित करने का उद्देश्य आम लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुलभ तरीके से उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया तथा लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की।

बच्चों के झगड़ा में महिला को मारी गोली

आरा। नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग बीवीजान के हाता स्थित अनुसूचित जाति टोला मोहल्ले में सोमवार की देर रात बच्चों के बीच हुए झगड़े को लेकर एक महिला को गोली मार दी गई।

गोली महिला के पेट में लगी है। गंभीर हालत में उसे पटना रेफर कर दिया गया। घायल महिला 21 वर्षीय सपना देवी नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग बीवीजान के हाता के समीप स्थित अनुसूचित जाति टोला के धनजी कुमार की पत्नी है।

स्वजन द्वारा उसे इलाज के लिए पहले आरा शहर के बाबू बाजार स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं पुलिस एक आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर, जख्मी महिला के पति धनजी कुमार ने बताया कि उनके बच्चों का पड़ोसी के बच्चों से झगड़ा हो गया था।

चार लोगों को दस-दस वर्ष की सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जिले के जुरवनपुर थाना में दर्ज वर्ष 1992 के एक मामले में अदालत ने मंगलवार को अपना फैसला सुनाया। करीब 34 वर्ष बाद आए इस फैसले का लोगों ने स्वागत किया है। मामले में 84 वर्षीय दीपा राय को भी दोषी ठहराया गया है। एडीजे-1 मनोज कुमार तिवारी ने उन्हें तीन वर्ष की सजा सुनाई है। वहीं अन्य चार दोषियों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और 25-25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

लोक अभियोजक श्याम बाबू राय ने बताया कि यह मामला वर्ष 1992 का है। जुरवनपुर थाना क्षेत्र में अदालत राय अपनी पत्नी के साथ घर पर बैठे थे। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि उनके घर जाने वाले रास्ते पर कुछ लोग शीशे के टुकड़े बिछा रहे हैं। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगने से वे घायल हो गए। मामले की जांच के बाद आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने बताया कि इस मामले में कुल नौ आरोपी थे। ट्रायल के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हो गई, जबकि पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला। अभियुक्तों द्वारा मुकदमे को लंबा खींचने का प्रयास किया गया, लेकिन अपर लोक अभियोजक ख्वाजा हसन ने मामले की प्रभावी पैरवी की। सभी गवाहों के बयान दर्ज कराए गए और मेडिकल रिपोर्ट सहित सभी आवश्यक दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

सहयोग शिविर में शिकायतों का समाधान 30 दिनों में : मंत्री

सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने पूर्वी चंपारण में सहयोग शिविर का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सूचना एवं जन-सम्पर्क, ग्रामीण विकास विभाग सह जदयू विधायक दल के नेता मंत्री श्रवण कुमार ने मंगलवार को पूर्वी चंपारण के चिरैया प्रखंड के हरिनारायना पंचायत और ढाका प्रखंड के गवेन्द्री पंचायत में सहयोग शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह शिविर जन समस्याओं के समाधान की दिशा में एक अत्यन्त सराहनीय अधिक प्रभावी पहल है। सरकार की प्राथमिकता है कि आम जनता को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समय पर अधिक पारदर्शी तरीके से मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित शिकायतों का समाधान अगले 30 दिनों में किया जाए। सख्त लहजे में कहा कि यदि 31वें दिन तक किसी शिकायत का समाधान नहीं होता है तो उससे संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सदस्य मो. खालिद अनवर और स्थानीय विधायक लाल बाबू गुप्ता मौजूद थे।

हरिनारायना पंचायत में 5,654 मामलों का तत्काल निष्पादन

चिरैया प्रखंड के हरिनारायना पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में कुल 7,767 आवेदन आए जिनमें से 5,654 मामले का निष्पादन तत्काल कर दिया गया। इसमें ग्रामीण विकास विभाग के 1,229 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 1,133 मामलों का निपटारा किया गया। साथ ही श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग सन्निमार्ग कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से संचालित योजना के अंतर्गत विवाह वित्तीय सहायता से 50 हजार रुपये का चेक परगन राम और बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान के तहत 4 लाख रुपये का चेक नारायणपुर पंचायत के शिवजी पासवान को मंत्री ने दिया। इसके अलावा जीविका के 22 समूहों को 71 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया।

गवेन्द्री पंचायत में 280 मामलों का निपटारा

इसी तरह ढाका प्रखंड के गवेन्द्री पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में ग्रामीणों ने जन्म मृत्यु, राशन, पेंशन, पेंशन केवाईसी, आवास, शौचालय, कृषि, मनरेगा, आरटीपीएस, नल-जल, आईसीडीएस, राजस्व और श्रम संसाधन से संबंधित 320 आवेदन आए जिसमें मौके पर ही 280 मामलों को निपटारा कर दिया गया है। शिविर में नल-जल से संबंधित समस्याओं की शिकायत पर मंत्री ने जांच कर दोषी कर्मचारियों को दंडित करने का निर्देश दिया है। मौके पर विधान पार्षद खालीद अनवर, विधायक फैसल रहमान, प्रखंड प्रमुख किरण चौधरी, मुखिया नैयरा खातुन, जिला अध्यक्ष भरत पटेल, मंजु देवी, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष उपस्थित थे। साथ ही पूर्वी चम्पारण के उप विकास आयुक्त, अनुमण्डलाधिकारी, पुलिस अनुमण्डलाधिकारी, चिरैया व ढाका प्रखंड के विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित चिरैया एवं ढाका प्रखंड के सभी प्रखंड स्तर के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

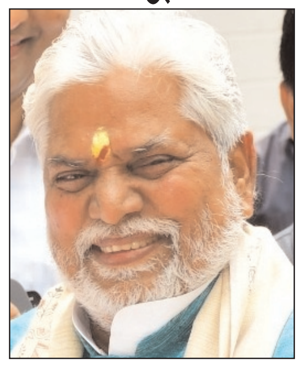

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार विधान सभा सचिवालय के पदाधिकारियों के नेवा सेवा केंद्र में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही, पारदर्शिता और जनता के प्रति समर्पण पर निर्भर करती है। बिहार विधान सभा राज्य के विकास, सुशासन और जनकल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है तथा विधान सभा की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, तकनीकी-सक्षम एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। विधान सभा केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं के समाधान का सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से सदन की गरिमा बनाए रखते हुए सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा के माध्यम से बिहार के सर्वांगीण विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विधान सभा में डिजिटल तकनीकों के उपयोग, ई-विधान प्रणाली तथा प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाई जा रही है। हाल के महीनों में बिहार विधानसभा द्वारा कई आधुनिक पहलें प्रारंभ की गई है जिनका उद्देश्य सदन की कार्यप्रणाली को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा बिहार सरकार की विकासोन्मुख नीतियों के अनुरूप राज्य को आत्मनिर्भर, समृद्ध और आधुनिक बनाने के लिए सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने, संविधान के प्रति सम्मान रखने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। लोकतंत्र की मजबूती नागरिकों की जागरूकता और सहभागिता से ही सुनिश्चित होती है। अंत में डॉ. प्रेम कुमार ने बिहारवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं राज्य के निरंतर विकास की कामना करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा जनहित के मुद्दों के समाधान और लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

मां शीतला के दरबार पहुंचे भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

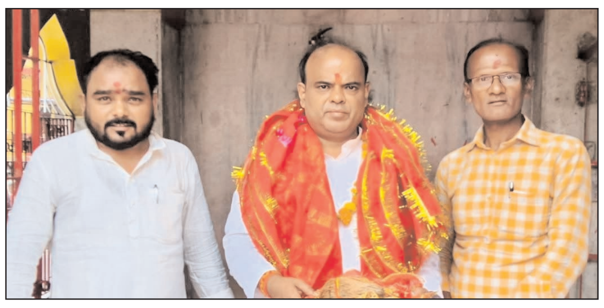

पटना। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने दायित्व ग्रहण करने के बाद मंगलवार को पटना के ऐतिहासिक माँ शीतला मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा माँ शीतला का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने प्रदेश और देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए संगठन की मजबूती और जनसेवा के कार्यों में सफलता के लिए विशेष प्रार्थना की। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के दौरान श्री चंद्रवंशी ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद ईश्वर का आशीर्वाद और जनता का विश्वास सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने मां शीतला से प्रार्थना की कि उन्हें संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने तथा समाज के वंचित, पिछड़े और जरूरतमंद वर्गों की सेवा करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और कल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। ओबीसी मोर्चा संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए सामाजिक समरसता, संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को गति देने का कार्य करेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। मंदिर में पूजा के बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया तथा उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक मजबूत होने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्य सचिव का कड़ा रुख, 15 जून तक चापाकल मरम्मत करें, लापरवाही पर दी कार्रवाई की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारी शामिल हुए। बैठक में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने जनहित, सीमावर्ती सुरक्षा, कृषि योजनाओं तथा महत्वपूर्ण सर्वेक्षणों से जुड़े विभिन्न अहम मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को मिशन मोड में काम करने के निर्देश दिए।

बैठक में आम जन को शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी 15 जून 2026 तक राज्य के सभी खराब पड़े चापाकालों को हर हाल में पूरी तरह चालू कर दिया जाए। उन्होंने इस पूरे अभियान को मिशन मोड में चलाने को कहा है। इस कार्य को समय पर पूरा करने के लिए पीएचईडी को तात्कालिक रूप से अपने मैनपावर (मानव बल) में भारी बढ़ोतरी करने की हिदायत दी गई है। वर्तमान मौसम को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि दक्षिण बिहार के जिलों को प्राथमिकता सूची में शीर्ष पर रखा जाए, क्योंकि वहां जलस्तर गिरने की संभावना अधिक रहती है। इसके साथ ही, विभाग के सभी कार्यपालक अभियंताओं को कार्यालय से बाहर निकलकर सीधे मैदानी स्तर पर काम की कमान संभालने का आदेश दिया गया है। इस पूरे अभियान की दैनिक प्रगति रिपोर्ट और समीक्षा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव राजेश कुमार को नियमित रूप से सौंपी जाएगी।

सांस्कृतिक जड़ों को सशक्त करने हेतु चिराग पासवान ने रामालय फाउंडेशन के साथ की चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और युवा-आधारित राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रामालय के संस्थापक एवं जेपीएसआर प्रभु श्रीराम के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रशांत कुमार से भेंट की। इस अवसर पर भारत के भविष्य निर्माण में संस्कृति, विरासत और सभ्यतागत मूल्यों की भूमिका पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। बैठक के दौरान प्रशांत कुमार ने जेपीएसआर प्रभु श्रीराम श्री कृष्ण लीला कलेक्शन प्रस्तुत किया जो भगवान श्री कृष्ण के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित एक अनूठी सांस्कृतिक कहानी पहल है। इस संवाद में विशेष रूप से भारत के युवाओं को देश की समृद्ध सभ्यतागत विरासत से जोड़ने और उन्हें विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। रामालय की परिकल्पना साझा करते हुए प्रशांत कुमार ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक स्वरूप देने के लिए एक व्यापक कल्चरल एक्सपीरियंस इकोसिस्टम विकसित करने की योजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा भारत की असली शक्ति अपनी सांस्कृतिक जड़ों और आधुनिक आकांक्षाओं के समन्वय में निहित है और युवाओं को कहानी, डिजिटल माध्यमों और अनुभवात्मक प्लेटफॉर्म्स के जरिए जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। जेपीएसआर प्रभु श्रीराम श्री कृष्ण लीला कलेक्शन को इस बात के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया कि कैसे प्राचीन कथाओं को आधुनिक संदर्भों में नेतृत्व, धैर्य, नैतिकता और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों से जोड़ा जा सकता है। साथ ही भारत की वैश्विक सॉफ्ट पावर को सशक्त करने के लिए संस्कृति, आध्यात्मिकता, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प, साहित्य और विरासत पर्यटन के विस्तार पर भी चर्चा हुई।

डिजिटल योग पहल से चार लाख लोग जुड़े

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय ने हैबिल्ड भारत का पहला हैबिट-बिल्डिंग प्लेटफॉर्म के साथ एक समझौता किया है। इस साझेदारी के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल योग पहल शुरू की गई है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को योग को रोजमर्रा की आदत बनाने के लिए प्रेरित करना है। योग 365 पहल के तहत मार्च 2026 में शुरू हुए इस अभियान में अब तक 4 लाख से अधिक प्रतिभागी जुड़ चुके हैं। प्रतिभागी भारत के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ 130 से अधिक देशों से शामिल हुए हैं। यह अभियान 21 जून 2026 तक चलेगा और लोगों को लगातार 100 दिनों तक योग करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। अभियान के अंतर्गत सरल योग सत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिन्हें दैनिक जीवन में आसानी से अपनाया जा सकता है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई, तीन-चार करोड़ के ट्रांजेक्शन का खुलासा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टेबाजी के अवैध कारोबार के खिलाफ हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छापेमारी कर राहुल कुमार नामक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके मोबाइल से ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े कई ऐप और लॉगिन आईडी बरामद हुए हैं। जांच में करीब 3 से 4 करोड़ रुपये के अवैध ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार पिछले कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि प्रिंस कुमार और राहुल कुमार का गिरोह हजारीबाग जिले में ऑनलाइन सट्टेबाजी का अवैध कारोबार चला रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ज्ञान रंजन के नेतृत्व में कोर्रा और लोहसिंघना थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने 31 मई 2026 को कोर्रा थाना क्षेत्र के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। इसी दौरान राहुल कुमार पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे पुलिसकर्मियों ने खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक आईफोन और एक शाओमी कंपनी का स्मार्टफोन बरामद किया गया।

मोबाइल जांच में ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म लॉगिन हालत में पाए गए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने ममेरे भाई प्रिंस कुमार के साथ मिलकर लोगों को मुनाफ़े का लालच देकर ऑनलाइन सट्टेबाजी में फंसाता था। आरोपी जेएसआर ग्रुप के नाम से मास्टर आईडी बनाकर यह कारोबार चला रहे थे। पुलिस के मुताबिक इस गिरोह का नेटवर्क हजारीबाग के अलावा रामगढ़, रांची और चतरा जिले तक फैला हुआ है। मामले में कोर्रा थाना कांड संख्या 94/26 दर्ज कर राहुल कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फरार अभियुक्त प्रिंस कुमार सहित अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल कुमार, उम्र करीब 28 वर्ष, पिता महेश प्रसाद मेहता, निवासी ग्राम बोंगा, थाना ईचाक, जिला हजारीबाग तथा वर्तमान पता सिद्धि विनायक पथ, कनहरी हिल रोड, थाना कोर्रा, जिला हजारीबाग के रूप में हुई है। छापेमारी दल में कोर्रा थाना प्रभारी नेमधारी रजक, लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा, पिंटू कुमार, पुन्नू यादव, तकनीकी शाखा और कोर्रा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में नामांकन प्रक्रिया शुरू, आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न स्नातकोत्तर, शोध एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक छात्र-छात्राओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। नामांकन विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न विशिष्ट अध्ययन केंद्रों में उपलब्ध सीटों के लिए किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, स्कूल ऑफ जियोग्राफिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ रिवर स्टडीज, पाटलिपुत्र स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्कूल ऑफ स्टेम सेल एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ एस्ट्रोनॉमी, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट टीचिंग्स तथा स्कूल ऑफ फिलॉसफी में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इन सभी केंद्रों में नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को आवेदन एवं नामांकन से संबंधित सभी जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई है। इच्छुक छात्र-छात्राएं ऑनलाइन आवेदन के साथ-साथ पाठ्यक्रम, पात्रता, सीटों की संख्या, शुल्क संरचना एवं प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न अध्ययन केंद्रों के हेल्पलाइन एवं संपर्क नंबरों के माध्यम से भी नामांकन संबंधी जानकारी हासिल की जा सकती है। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राएं विभिन्न अध्ययन केंद्रों से संबंधित जानकारी के लिए निर्धारित संपर्क नंबरों पर भी संपर्क कर सकते हैं। नामांकन, पाठ्यक्रम, पात्रता, शुल्क संरचना एवं अन्य आवश्यक सूचनाओं के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम होगा आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा/वैशाली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कैरियर मिशन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी द्वारा एक विशेष पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आम लोगों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त समाज के प्रति जागरूक करना है। संस्थान के निदेशक डॉ. आनंद रंजन झा ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इसी उद्देश्य से संस्थान परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता जागरूकता रैली तथा छात्रों के बीच पर्यावरण विषयक भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं अधिक से अधिक पौधा रोपने का संकल्प दिलाया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। यदि आज हम प्रकृति की रक्षा करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा।

बिहार विधान सभा की आवास समिति का गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिहार विधान सभा की आवास समिति का गठन कर दिया है। सदस्य नागेन्द्र चन्द्रवंशी (क्षेत्र संख्या-211 , नोखा) इस पांच सदस्यीय समिति के सभापति बनाये गए हैं। सदस्य हेमनारायण साह (क्षेत्र संख्या-112 , महाराजगंज), सूबेदार दास (क्षेत्र संख्या-218 , मखदुमपुर), उपेंद्र प्रसाद (क्षेत्र संख्या-225, गुरुआ), इंद्रदेव सिंह (क्षेत्र संख्या-110, बड़हरिया) समिति के सदस्य बनाए गए हैं। अध्यक्ष ने सदस्य नागेन्द्र चन्द्रवंशी, (क्षेत्र संख्या-211 , नोखा) को नवगठित आवास समिति के सभापति के रूप में आगामी कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आवास समिति मुख्य रूप से सदस्यों की आवास एवं आवश्यक सुविधा संबंधी विषयों पर सलाह देती है। साथ ही यह समिति सभा या अध्यक्ष द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों को भी निष्पादित करती है।

सहयोग शिविरों के माध्यम से 30 दिनों में होगा समस्याओं का समाधान : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के 'सहयोग कार्यक्रम' के अंतर्गत आज दरभंगा सदर प्रखंड के शिशो पश्चिमी और शहबाजपुर पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी शामिल हुए। इस क्रम में उन्होंने सहयोग शिविर के उद्देश्यों को रेखांकित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित सहयोग शिविरों का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अगले माह के प्रथम और तृतीय मंगलवार को जिन पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित होने हैं, उनकी सूची शीघ्र तय कर दी जाएगी। इन पंचायतों में अधिकारी लगातार 13 से 14 दिनों तक उपलब्ध रहेंगे और लोगों की समस्याओं एवं आवेदनों का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशानुसार सहयोग शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का निष्पादन 30 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यदि किसी आवेदन पर 10 दिनों तक कार्रवाई नहीं होती है तो संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा। 20वें दिन पुनः नोटिस और 25वें दिन अंतिम चेतावनी जारी की जाएगी। इसके बावजूद 30 दिनों के भीतर कार्य पूरा नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध स्वतः निलंबन की कार्रवाई होगी।

गन्ना किसानों की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

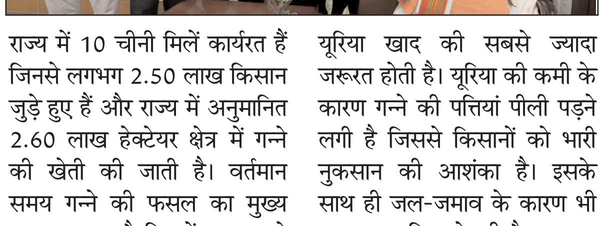

पटना। बिहार शुगर मिल्स एसोसिएशन के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल (सचिव नरेश भट्ट) ने कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को राज्य के गन्ना उत्पादक किसानों के सामने आ रही गंभीर समस्याओं से अवगत कराया और उनके त्वरित समाधान के लिए एक स्मार-पत्र सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से मंत्री को बताया गया कि वर्तमान में बिहार राज्य में 10 चीनी मिलें कार्यरत हैं जिनसे लगभग 2.50 लाख किसान जुड़े हुए हैं और राज्य में अनुमानित 2.60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती की जाती है। वर्तमान समय गन्ने की फसल का मुख्य बढ़वार काल है जिसमें फसल को यूरिया खाद की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। यूरिया की कमी के कारण गन्ने की पत्तियां पीली पड़ने लगी है जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। इसके साथ ही जल-जमाव के कारण भी फसल प्रभावित हो रही है।

छह को सदाकत आश्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 6 जून 2026 को बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में सभी जिला कांग्रेस कमिटियों के अध्यक्षों की एक आवश्यक बैठक आहूत की गई है। बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम करेंगे। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे तथा संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से संगठन सृजन साथी अभियान की प्रगति, उसके प्रभावी क्रियान्वयन तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

एससी-एसटी युवाओं को मिलेगा मुफ्त चालक प्रशिक्षण, रोजगार के नए अवसर खुलेंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) समुदाय के अभ्यर्थियों को मुफ्त चालक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए एससी-एसटी कल्याण विभाग के तहत संचालित बिहार महादलित विकास मिशन ने आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े दलित वर्गों के लिए हल्के एवं भारी मोटर चालक प्रशिक्षण कोर्स की शुरुआत की है। इससे एससी-एसटी समुदाय के अभ्यर्थियों प्रशिक्षण पाकर निजी अथवा किसी भी आगामी सरकारी नौकरियों में चालक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सके। प्रशिक्षण औरंगाबाद स्थित चालक प्रशिक्षण-सह-यातायात शोध संस्थान में दिया जा रहा है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून तक निर्धारित है। विभाग ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि से पहले आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं। इस योजना के तहत अबतक 200 से अधिक एससी-एसटी युवा-युवतियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। दोनों ही कोर्स के लिए उम्र सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित है। एलएमवी के लिए योग्यता मैट्रिक पास या एलएमवी का लर्निंग लाइसेंस अनिवार्य है। वहीं एचएमवी के लिए मैट्रिक पास होने के साथ एक वर्ष पुराना एलएमवी चलाने का परमानेंट लाइसेंस और एचएमवी चलाने का लर्नर लाइसेंस होना अनिवार्य है। एलएमवी के लिए प्रशिक्षण अवधि 21 दिन और एचएमवी के लिए 30 दिन होगी। राज्य के सभी जिलों के एससी-एसटी अभ्यर्थी इस योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

संपादकीय

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब का जनमत, राज्य में उभरी नई राजनीतिक दिशा

पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने प्रतिद्वंद्वी दलों पर स्पष्ट बढ़त बनाते हुए अपनी मजबूत राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराई है। नगर निगमों और वार्डों में मिली सफलता को पार्टी अपनी सरकार के कामकाज पर जनता की मुहर मान रही है। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में जो तस्वीर उभरी है, वह आम आदमी पार्टी (आप) की स्पष्ट कामयाबी को दर्शाती है। अगर इसे जनता के रुख के तौर पर देखा जाए, तो यह अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों का भी संकेत हो सकती है। हालांकि राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है और फिलहाल कोई बड़ा असंतोष वहां प्रत्यक्ष देखने में नहीं आ रहा है, इसलिए स्थानीय निकायों के नतीजों में अगर उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को बाकी दलों के मुकाबले काफी मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है, तो यह अप्रत्याशित नहीं है।दरअसल, पंजाब के शहरी क्षेत्रों में आप ने अपनी व्यापक पहुंच और मजबूत जनाधार बनाया है। अब इन चुनावों में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया और आठ नगर निगमों में से पांच पर जीत हासिल की। कहा जा सकता है कि इन इलाकों में सरकार के कामकाज को ज्यादातर मतदाताओं ने अपना समर्थन दिया। वहीं कांग्रेस और भाजपा को भी जितनी सीटें मिलीं, उससे फिलहाल उनकी राजनीतिक जमीन बची होने के संकेत मिलते हैं।गौरतलब है कि पंजाब में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों सहित कुल 104 स्थानीय निकायों के 1,977 वार्डों के लिए हुए मतदान के नतीजों में आप के 958 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। वहीं 397 वार्डों पर जीत के साथ कांग्रेस की भी संतोषजनक उपस्थिति बनी रही। जबकि शिरोमणि अकाली दल ने 191 और भाजपा ने 172 वार्डों पर जीत हासिल की।जाहिर है, अपने प्रतिद्वंद्वी दलों के मुकाबले आप ने काफी बड़े अंतर से अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। पिछले स्थानीय निकाय चुनावों से तुलना करें, तो तस्वीर में बड़ा फेरबदल हुआ है और आप ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। स्वाभाविक ही आम आदमी पार्टी इसे राज्य में अपनी सरकार के कामकाज और विकास कार्यों पर जनता की मुहर मान रही है।इसी के मद्देनजर पार्टी को लगता है कि अगले वर्ष विधानसभा चुनाव में उसके सामने कोई मजबूत चुनौती नहीं है। मगर यह देखने की बात होगी कि स्थानीय निकायों में उभरे नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर कितना पड़ता है। स्थानीय चुनाव अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों और स्थानीय नेतृत्व से प्रभावित होते हैं, जबकि विधानसभा चुनाव में मतदाता राज्य सरकार के समग्र प्रदर्शन, राजनीतिक गठबंधनों और व्यापक जनहित के मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। इसलिए निकाय चुनावों के नतीजों को विधानसभा चुनाव का अंतिम संकेत मानना जल्दबाजी होगी। फिर भी इतना जरूर है कि इन परिणामों ने पंजाब की राजनीति में मौजूदा शक्ति संतुलन और मतदाताओं के रुख की एक स्पष्ट झलक पेश कर दी है।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है। मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप

सामने आ सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा।

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं।

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हालांकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाये हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन ही रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं हैं। क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी नालें तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा।

क्या रवि लामिछाने की भारत यात्रा से सुलझेगा नेपाल - भारत का सीमा विवाद

नेपाल की सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने आज 1 जून को भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद सत्ताधारी पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता की यह पहली भारत यात्रा है। लामिछाने का दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री बालेन शाह के संसद में पहले भाषण में भारत को लेकर दिए बयान पर नेपाल की राजनीति गरमाई हुई है। लामिछाने का यह दौरान भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन के निमंत्रण पर हो रहा है। नई दिल्ली प्रवास के दौरान लामिछाने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करने की उम्मीद है। वे बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत करेंगे। लामिछाने के बीजेपी मुख्यालय जाने की भी उम्मीद है।

अशोक भाटिया

यात्रा से परिचित सूत्रों का कहना है कि लामिछाने की भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक आयोजित करने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस यात्रा के दौरान लामिछाने की पत्नी निकिता पौडेल, ऋस्क के महासचिव बिपिन आचार्य, सांसद दीपक बोहरा और प्रदीप आचार्य साथ रहेंगे।

गौरतलब है कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने संसद में सीमा विवाद को लेकर कहा था कि नेपाल ने भी भारत की जमीनों पर कब्जा किया है। इस बयान से नेपाल विवाद पैदा हो गया, जिसके बाद अब वहां के विदेश मंत्रालय ने इस मामले पर सफाई भी दी । रविवार को एक बयान जारी करते हुए विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री शाह की टिप्पणी दोनों देशों के बीच नो-मैन्स लैंड और सीमा पार के कब्जे से जुड़ी हुई थी। बयान में कहा गया कि भारत के साथ नेपाल की वर्तमान सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बयान में कहा, नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र में लिम्पियाधुरा, लिपुलेख, कालापानी और सुस्ता ऐसे क्षेत्र हैं जिनका सीमांकन किया जाना अभी बाकी है। नेपाल और भारत दोनों ने कूटनीतिक माध्यमों और आपसी चर्चा से सीमा मुद्दों को सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई है। नेपाली प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के बाद नेपाल में विवाद शुरू हो गया है। नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने बालेन शाह की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए संसद के रिकॉर्ड से हटाने की मांग की। विपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री को सबूत पेश करने चाहिए या अपना बयान वापस लेना चाहिए।

भारत और नेपाल के बीच वर्षों से चले आ रहे सीमा विवाद पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की एक टिप्पणी अब एक और ने नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि केवल भारत ने ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भाारत की जमीन पर कब्जा किया है। संसद में दिए गए उनके बयान के बाद विपक्ष ने सवाल उठाए। इस पर नेपाल के विदेश मंत्रालय को आधिकारिक सफाई जारी करनी पड़ी।

ज्ञात हो कि इस वर्ष नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने बालेन शाह पहली बार अपने देश की संसद को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण के दौरान उन्होंने भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर जारी सीमा विवाद का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने विवाद के समाधान के लिए दोनों देशों को मित्रतापूर्ण बातचीत की सलाह दी, लेकिन इसी दौरान दिया गया उनका एक बयान चर्चा का विषय बन गया।

35 वर्षीय प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें एक ऐसी जानकारी मिली जिसने उन्हें भी हैरान कर दिया। उनके अनुसार, केवल भारत ने ही नेपाली क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद से तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए और फिर मित्र देशों की तरह बैठकर इस मुद्दे का समाधान निकालना चाहिए। बालेन शाह ने नेपाल संसद को बताया कि नेपाल ने सीमा विवाद से जुड़े मुद्दों को चीन और ब्रिटेन के समक्ष भी उठाया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन को इस पर रुचि लेनी चाहिए, क्योंकि यह मुद्दा उसी समय का है, जब उन्होंने देश छोड़ा था। ब्रिटेन का उल्लेख उन्होंने क्षेत्र में उसके औपनिवेशिक इतिहास के संदर्भ में किया।

प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर नेपाल की राजनीति में तुरंत प्रतिक्रिया देखने को मिली। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के रमेश मल्ला समेत कई विपक्षी सांसदों ने बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री या तो अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पेश करें या फिर बयान वापस लें। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी कथित तौर पर प्रधानमंत्री से माफी मांगने की मांग कर डाली ।

नेपाल-भारत सीमा मामलों के विशेषज्ञ और भूगोलवेत्ता बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने प्रधानमंत्री के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण किए जाने का कोई उदाहरण नहीं है। हालांकि, उन्होंने माना कि कुछ सीमावर्ती इलाकों में सीमा स्तंभों के गायब होने और लोगों के आवागमन के कारण दोनों देशों के किसानों ने एक-दूसरे की जमीन का उपयोग किया है, लेकिन इसे सरकारी स्तर पर अतिक्रमण नहीं कहा जा सकता।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने संबंधी कोई ठोस जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत और नेपाल के बीच लगभग 97 प्रतिशत सीमा विवाद पहले ही सुलझाए जा चुके हैं। कुछ इलाकों में सीमा स्तंभों के अभाव के कारण भूमि उपयोग में ओवरलैप हो सकता है, लेकिन नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कब्जे का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है।प्रधानमंत्री के बयान के कुछ घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी किया। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक तौर पर भारतीय भूमि पर कब्जा कर लिया है। मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने सीमा क्षेत्र में मौजूद 'नो मैन्स लैंड' और दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन के उपयोग से जुड़ी परिस्थितियों का उल्लेख किया था।सफाई में कहा गया कि कुछ ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं जहां भारतीय नागरिकों द्वारा उपयोग की जा रही भूमि नेपाल की सीमा में आती हो और इसी तरह कुछ नेपाली नागरिक भारतीय क्षेत्र में स्थित भूमि का उपयोग कर रहे हों। मंत्रालय ने इसे 'सीमा पार भूमि उपयोग' और 'क्रॉस-बॉर्डर ऑक्युपेशन' से जुड़ा मामला बताया। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें और सीमा संबंधी तंत्र सीमा स्तंभों की मरम्मत, निर्माण और दशगजा क्षेत्रों से जुड़े आंकड़े एकत्र करने का काम लगातार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ सप्ताह पहले ही नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई थी। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी नेपाल के अभिन्न हिस्से हैं। वहीं, भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं।

दोनों देश इन क्षेत्रों पर अपना दावा करते हैं। भारत, चीन और नेपाल के त्रि-जंक्शन के निकट स्थित ये क्षेत्र कई वर्षों से विवाद का केंद्र रहे हैं। जून 2021 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार ने नया राजनीतिक नक्शा जारी कर कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया था। भारत ने नेपाल के इस दावे को खारिज करते हुए इसे एकतरफा और कृत्रिम रूप से सीमा विस्तार का प्रयास बताया था। भारत का कहना है कि इन क्षेत्रों का समाधान द्विपक्षीय वार्ता के जरिए होना चाहिए।

लाखों का प्रतिबंधित डोडा बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

बिहार भेजे जाने की थी तैयारी □अंतरराज्यीय नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चरकाखुर्द गांव से भारी मात्रा में प्रतिबंधित अफीम डोडा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार कर अंतरराज्यीय तस्करी की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया।

सदर एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर चरकाखुर्द गांव में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान सुनील कुमार के घर से छह प्लास्टिक बोरियों में रखा 83 किलो 790 ग्राम प्रतिबंधित अफीम डोडा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार जब्त डोडा की अनुमानित बाजार कीमत करीब 12

लाख 56 हजार रुपये है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि इस खेप को बिहार में सप्लाई करने की तैयारी थी। इससे पहले ही पुलिस ने कार्रवाई कर पूरे नेटवर्क की योजना पर पानी फेर दिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जांच के दौरान एक अन्य व्यक्ति की संलिप्तता भी सामने आई है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने कहा कि चतरा पुलिस नशा तस्करी और अंतरराज्यीय मादक पदार्थ नेटवर्क के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम कर रही है। इस अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि नशा तस्करी से जुड़ी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशा कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस अभियान में प्रतापपुर अंचल अधिकारी विकास कुमार टुडू, थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में आरोपित की जमानत याचिका खारिज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के चर्चित उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में जेल में बंद छह आरोपियों को अदालत से राहत नहीं मिली है। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने सभी छह आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा था और बाद में आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने माना कि मामले में एक संगठित गिरोह सक्रिय था, जो अभ्यर्थियों से भारी रकम लेकर उन्हें परीक्षा में अनुचित लाभ पहुंचाने की कोशिश कर रहा था।

इस मामले का खुलासा 11 अप्रैल 2026 की रात तमाड़ के रड़गांव स्थित एक अर्धनिर्मित भवन में पुलिस की बड़ी छापेमारी के दौरान हुआ था। गुप्त सूचना के आधार पर पहुंची पुलिस टीम ने मौके से 166 लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार लोगों में अभ्यर्थियों के अलावा पेपर लीक और सॉल्वर गैंग से जुड़े कई सदस्य शामिल थे। पुलिस के अनुसार गिरोह परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को संभावित प्रश्नों के उत्तर याद करवाता था। छापेमारी के दौरान मोबाइल फोन, दस्तावेज और अन्य संदिग्ध सामग्री भी बरामद की गई थी। जांच में सामने आया कि गिरोह अभ्यर्थियों से चयन सुनिश्चित कराने के

नाम पर प्रति व्यक्ति लगभग 10 लाख रुपये तक वसूल रहा था। अभ्यर्थियों के मोबाइल और एडमिट कार्ड भी अपने कब्जे में रखे जाते थे। कुछ मामलों में भुगतान की गारंटी के लिए बैंक चेक तक लिए गए थे। पुलिस को संदेह है कि यह एक अंतरराज्यीय नेटवर्क है, जिसमें कई राज्यों के लोग शामिल हैं।

तमाड़ थाना में कांड संख्या 21/2026 के तहत दर्ज इस मामले में कुल 166 लोगों को आरोपी बनाया गया है। अब तक 161 आरोपियों को जमानत मिल चुकी है, जबकि मुख्य आरोपियों और गिरोह से जुड़े लोगों के खिलाफ जांच जारी है। अदालत का यह फैसला जांच एजेंसियों के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है।

झारखंड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। सोमवार को रांची में झारखंड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन की आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्यभर के डीलरों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजहंस मिश्रा और कोषाध्यक्ष मानस सिन्हा ने बताया कि वर्तमान समय में सबसे बड़ी समस्या पेट्रोलियम उत्पादों की अनियमित आपूर्ति है।

उन्होंने कहा कि सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा समेत कई जिलों में पेट्रोल पंपों पर समय पर पेट्रोल-डीजल नहीं पहुंच पा रहा है, जिसके कारण कई पंपों के सूखने की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे न केवल पंप संचालकों बल्कि आम लोगों को भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

राजहंस मिश्रा ने कहा कि डीलरों को वर्षों से कंपनी की ओर से उचित कमीशन नहीं मिल रहा है। कई बार

लोगों ने रखी समस्याएं

अग्रिम भुगतान करने के बावजूद समय पर आपूर्ति नहीं की जाती, जिससे ग्राहकों का आक्रोश पंप संचालकों को झेलना पड़ता है। उन्होंने बताया कि शहरों में फिलहाल पेट्रोल-डीजल का स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के कई पंपों में ईंधन की कमी देखी जा रही है।

बैठक में की-लॉक और वी-सैट जैसी तकनीकी व्यवस्थाओं से जुड़े शुल्कों पर भी सवाल उठाए गए। डीलरों का कहना है कि इन प्रणालियों के रखरखाव का आर्थिक बोझ उन पर डाला जा रहा है, जबकि इससे जुड़ी कई व्यावहारिक समस्याएं भी सामने आती हैं। इसके अलावा, पहले बिक्री बढ़ाने के लिए तेल कंपनियां क्रेडिट पर ईंधन उपलब्ध कराती थीं, लेकिन वर्तमान में अग्रिम भुगतान के बावजूद पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही है।

झामुमो ने भाजपा पर साधा निशाना

जिला स्तरीय बूथ कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सह कार्यशाला में उमड़े लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक हमला बोला है। मंगलवार को चाईबासा के पिल्लई हॉल में आयोजित जिला स्तरीय बूथ कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सह कार्यशाला में पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि एसआइआर के माध्यम से झारखंड के लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का षडयंत्र रचा जा रहा है। इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया।

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता और बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनावी लड़ाई की वास्तविक शुरूआत बूथ स्तर से ही होती है। यही कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों और लोक कल्याणकारी योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने का काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में बीएलए-2 की

जिम्मेदारी काफी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें मतदाता सूची से जुड़े हर मामले पर चौबीसों घंटे निगरानी रखनी होगी।

झामुमो प्रवक्ता ने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे चुनावी मोड में आएं और हर घर जाकर मतदाता सूची का बारीकी से सत्यापन करें। कार्यकताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से दुर्भावनापूर्ण तरीके से न कटे।

यदि किसी वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची से कट गया हो या अभी तक दर्ज नहीं हो पाया हो, तो उसे दोबारा जोड़ने की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें। इसके साथ ही, चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं और बूथ स्तर की गतिविधियों पर भी सतर्क नजर रखें।

झामुमो नेता ने साफ किया कि किसी भी हाल में सूबे के पात्र नागरिकों को मतदान के मौलिक अधिकार से वंचित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए एक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को आवश्यक दस्तावेजों और सत्यापन प्रक्रिया की सही जानकारी दी जाएगी।

इस कार्यक्रम में राज्य के मंत्री सह विधायक दीपक बिरुवा, सांसद जोबा माझी, विधायक निरल पुरती, जगत माझी, लक्ष्मी सुरेन मौजूद रहे। सभी नेताओं ने एक सुर में आगामी चुनावों के मद्देनजर बूथ संगठन को अभेद्य बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस ने बालू लदे पांच ट्रकों को किया जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी। कटिहार- मनिहारी पुलिस ने अवैध बालू खनन एवं ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच बालू लदे ट्रकों को जब्त किया है। कार्रवाई के बाद इलाके में खनन कारोबार से जुड़े लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है। सभी ट्रकों को मनिहारी थाना परिसर में रखा गया है और मामले की जांच जारी है। अग्रतर कार्रवाई के लिए खनन एवं परिवहन विभाग को सूचना दे दी गयी है।

जब्त किये गये ट्रकों के नंबर बीआर 39 जीबी0763,एमपी 09 एचएच 7539,एनएल जेडएल 0 एबी0359, जेएच 16 जी 6958, बीआर 39 जीई 6450 है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने बताया कि देर रात पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए पांच ट्रकों को नारायणपुर फोरलेन के समीप जब्त किया गया।प्रारंभिक जांच के दौरान दस्तावेजों और माइनिंग चालान को लेकर कई सवाल सामने आए हैं। ट्रक मालिक पक्ष एवं संबंधित विभाग के लोगों का कहना है कि ट्रकों में लदा बालू सरकारी निर्माण कार्य के लिए ले जाया जा रहा था। इस संबंध में एक जूनियर इंजीनियर थाना पहुंचकर लिखित आवेदन भी दिया। आवेदन में बताया गया कि माइनिंग चालान बना हुआ था। लेकिन किसी कारणवश चालान पर संबंधित ट्रकों के नंबर अंकित नहीं हो सके। थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने बताया कि प्रस्तुत माइनिंग चालान एवं लिखित आवेदन पर किसी प्रकार की सरकारी मोहर अथवा सक्षम अधिकारी का स्पष्ट सत्यापन नहीं पाया गया है। ऐसे में दस्तावेजों की गहन जांच आवश्यक है। थानाध्यक्ष ने सवाल में कहा कि यदि माइनिंग चालान में वाहन संख्या दर्ज नहीं थी तो उन वाहनों से बालू का परिवहन किस आधार पर किया जा रहा था। साथ ही यदि दस्तावेज पूरी तरह वैध थे तो उन पर आवश्यक सरकारी सत्यापन और मोहर क्यों नहीं थी। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की सूचना खनन विभाग को दे दी गई है।

एसबीआइ के मैनेजर को रंगे हाथ सीबीआइ ने दबोचा

मां की मौत के बाद बीमा राशि के लिए ली थी राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने गोड्डा स्थित एसबीआई की डुमरिया शाखा के शाखा प्रबंधक रोहित कुमार सिंह को 77 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई की टीम ने उनकी गिरफ्तारी के बाद उनके कार्यालय व आवासीय परिसर में भी तलाशी ली है। छानबीन अभी जारी है।

उन्हें गिरफ्तार करने के बार सीबीआई ने उन्हें धनबाद स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अब रिमांड पर लेकर उनके व अन्य सहयोगियों तथा उनकी चल-अचल संपत्ति के बारे में जानकारी जुटाएगी।

पूरा मामला बीमा की राशि व खाते में पड़ी राशि के स्थानांतरण के एवज में रिश्वत मांगने से संबंधित है। शिकायतकर्ता ने 31 मई को सीबीआई में शिकायत की थी कि उनकी मां का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रुपये का बीमा था।

उनकी मां के दिवंगत होने के बाद दो लाख रुपये के बीमा की राशि के दावे को निष्पादित करने के एवज में बैंक मैनेजर रोहित कुमार सिंह ने 60 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।

इतना ही नहीं, शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी दिवंगत मां के बैंक खाते में पड़े 35 हजार रुपये के स्थानांतरण के बाद उसकी निकासी पर लगी रोक को हटाने के एवज में भी बैंक मैनेजर ने 17 हजार रुपये की अतिरिक्त रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने पूरे मामले का सत्यापन कराया और इसके बाद आरोपित शाखा प्रबंधक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की।

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आरोपित की गिरफ्तारी के लिए सीबीआई ने जाल बिछाया और बैंक मैनेजर को सोमवार को गिरफ्तार किया था और उसके आवासीय व कार्यालय के परिसर में तलाशी ली थी। मंगलवार को उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

नीलामी की प्रक्रिया तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने भागलपुर जिले में स्थित छह कोयला ब्लॉकों की नीलामी को सफल बनाने के लिए तैयारी तेज कर दी है। हाल ही में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में इन कोल ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया और निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में मौजूद खान एवं भू-तत्व सचिव अनवीश कुमार ने जानकारी दी कि भागलपुर जिले के पीरपैंती और कहलगांव क्षेत्र में स्थित कुल छह कोल ब्काकों की खोज सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट रांची ने की है। इनमें मिजागांव नार्थ, मिजागांव साउथ, राजगांव नार्थ, राजगांव साउथ, मेंदार पर्वत और लक्ष्मीपुर कोल ब्लॉक शामिल हैं। इन ब्लॉकों में कुल 9,217 मिलियन टन से अधिक कोयला होने का अनुमान है।

ये कोयला ताप विद्युत संयंत्रों और अन्य औद्योगिक इकाइयों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इनमें एक कोल ब्लॉक कहलगांव तथा शेष पांच पीरपैंती क्षेत्र में स्थित हैं।

भाजपा में थम नहीं रही गुटबाजी, कार्यकर्ता उतरे सड़क पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबादर में भाजपा की गुटबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। झरिया की विधायक रागिनी सिंह के समर्थकों ने धनबाद महानगर भाजपा अध्यक्ष श्रवण राय को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनके खिलाफ लगातार बयानबाजी की जा रही है। कार्रवाई नहीं होने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सामने भी विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है।

झरिया विधायक रागिनी सिंह पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में सोमवार की शाम सिंह मैनसन समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं ने धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे समर्थकों ने भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए उनकी प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली और उसके बाद शव दाह कर विरोध दर्ज कराया।

रणधीर वर्मा चौक पर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने विधिवत प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी करते हुए शवदाह किया तथा बाद में पुतला दहन कर अपना विरोध प्रकट किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में नारेबाजी होती रही और कार्यकताओं ने श्रवण राय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई।

विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कार्यकताओं ने कहा कि झरिया विधायक रागिनी सिंह के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणी न केवल एक महिला जनप्रतिनिधि का अपमान है, बल्कि झरिया विधानसभा की जनता के सम्मान पर भी चोट है। उन्होंने कहा कि किसी भी महिला के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश नेतृत्व से मांग की कि श्रवण राय के विरुद्ध तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से हटाया जाए एवं पार्टी से निष्कासित किया जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के प्रस्तावित रांची दौरे के दौरान भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा तथा पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान नवीन पंडित, गोपाल रवानी, विजय बहादुर, आमिर खान, उमा कुमारी, संतू सिंह, कंचन पासवान समेत बड़ी संख्या में सिंह मैनसन समर्थक, महिला कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर महिला सम्मान और लोकतांत्रिक मयार्दाओं की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

जिले में 18 जून तक मानसून आने की संभावना

कृषि वैज्ञानिकों ने दी मौसम के अनुकूल खेती करने का सुझाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। जिले में शुरूआती जून से ही लोगों को भीषण गर्मी व उमस का अहसास हो रहा है। वहीं, मौसम विभाग ने जून तक वर्षा की संभावना नहीं जताई है।

जून के पहले चार दिन तापमान में बढ़ोतरी के साथ उमस बनी रहेगी। इसके बाद अगले 2 दिनों तक येलो अलर्ट की संभावना जताई है, जबकि झारखंड सहित जिला में 18 जून तक मानसून के प्रवेश की संभावना है।

इधर, भारतीय मौसम विभाग ने पहले से अब तक के मानसून के कमजोर रहने की संभावना जताई है। इसके साथ ही कहा है कि मानसून सीजन में वर्षा कम होने के साथ ही कई मौके पर जून से लेकर सितंबर तक तापमान व गर्मी भी अधिक रहने की संभावना है। यही

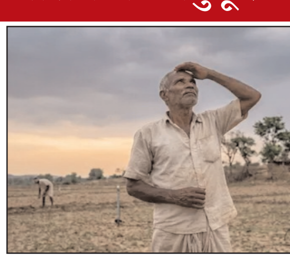

संभावना किसानों को चितिंत किये हुए है।

दूसरी ओर इस बार नौतपा भी अपने अनुसार नहीं रहा है। इससे भी मानसून के कमजोर रहने की संभावना को बल मिला है। नौतपा दो जून को खत्म हो रहा है। अमूमन इसमें हीट वेब व भीषण गर्मी व कड़ी धूप रहता था लेकिन इस बार नौतपा में ऐसा कुछ नहीं दिखा।

नौतपा में हीट वेब व कड़ी धूप रहने से मानसून बेहतर रहता है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और नौतपा का समापन दो जून को होने जा रहा है। पिछले दो तीन दिनों से जिला में एक बार फिर से भीषण गर्मी व उमस पड़ रही है जिससे आम जनजीवन पूरी तरह से बेहाल है जहां लोगों को काफी परेशानी का सामना का सामना करना पड़ रहा है।

कृषि सह मौसम वैज्ञानिक रजनीश प्रसाद ने कहा कि जो अबतक के मानसून के अपडेट है, मानसून कमजोर ही रह रहा है। इसके पीछे बड़ा कारण सुपर अलनीनो का सक्रिय रहना है।

उन्होंने कहा कि हालात के अनुसार, इस बार किसान प्रयास करें कि कम वर्षा वाले व कम समय में उपज देने वाले फसल की खेती खरीफ में करें। अपलैंड भूमि पर मोटा अनाज और मध्यम लैंड और लो लैंड भूमि पर कम समय में उपज होने वाली धान की फसल लगायें।

सहयोग शिविर में उमड़े लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के प्राणपुर प्रखंड क्षेत्र के बस्तौल पंचायत में मंगलवार को पंचायत सरकार भवन के प्रांगण में जन शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए सहयोग शिविर का आयोजन किया गया।

जिसका शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर विधायक निशा सिंह,परिवहन विभाग के प्रधान सह जिला प्रभारी सचिव राज कुमार, प्रभारी डीएम सह अपर समाहर्ता डॉ. विनोद कुमार, प्रखंड के वरीय नोडल पदाधिकारी सह नगर आयुक्त संतोष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सदर प्रद्युम्न सिंह यादव, उप विकास आयुक्त अमित कुमार, जदयु प्रखंड अध्यक्ष लड्डू सिंह, प्रखंड प्रमुख अमित कुमार साह बीडीओ मनीषा कुमारी, सीओ शिखा कुमारी एवं आरओ अजय कुमार सिंह एव मुखिया मुजाहिद आलम ने संयुक्त रूप से किया। प्रभारी सचिव राजकुमार ने कहा कि जनता की समस्या समाधान के लिए सहयोग शिविर का आयोजन हो रहा है। समस्या पहले भी था।

अब 15 मिनट में पहुंचेगी एम्बुलेंस : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सोमवार को कहा कि अब कॉल करने के 15 मिनट के अंदर एंबुलेंस पहुंच जाएगी। सरकार जल्द ही नई एंबुलेंस खरीदेगी। दुमका में कॉल सेंटर की मांग है, इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

मंगलवार को रांची में होनवाली समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि विकास का दूसरा नाम इरफान अंसारी है। दोपहर में दुमका पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री ने अचानक मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण किया। हर वार्ड में जाकर वहां की सुविधाओं का जायजा लिया। बहाली को लेकर विभाग अधिकारियों की क्लास ली और सुधार के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद डॉ. इरफान अंसारी ने पहली बार मेडिकल कॉल ज अस्पताल का निरीक्षण किया।

डॉ. इरफान ने जमीन पर बैठे मरीजों से बात की और कुव्यवस्था पर नाराजगी जाहिर की। सिविल सर्जन व अधीक्षक से कहा कि सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवा बेहतर करने के लिए काम कर रही है और आप लोग कुछ करना नहीं चाहते हैं।

इस पर सिविल सर्जन ने बताया कि यहां डाक्टर की कमी है। समुचित मात्रा में बेड नहीं है। इस पर मंत्री ने कहा कि यह बात तो पहले बतानी चाहिए

थी, आज निरीक्षण करने आए हैं तो बता रहे हैं। उन्होंने अधीक्षक से पूछा कि कब से काम कर रहे हैं। इस पर बताया कि दिसंबर को ही योगदान किया है, लगातार व्यवस्था सुधार में लगे हैं। अस्पताल में कर्मी कर्मियों की टेबल देखकर मंत्री ने उन कर्मियों के बारे में पूछा तो बताया गया कि अधिकांश का तबादला हो गया है। विरमित होने की वजह से कुछ कर्मी नहीं हैं।

बाद में मंत्री ने कहा कि पहले कम मरीज ही जांच के लिए यहां आते थे, लेकिन अब संख्या तीन गुना हो गई है। इससे स्पष्ट होता है कि पहले की तुलना में सुधार हुआ है। आने वाले दिन में और भी सुधार दिखेगा। मंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर भाजपा नेता ईमानदारी से राज्य का वास्तविक विकास चाहते हैं तो कम से कम शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में राजनीति नहीं करें।आज एंबुलेंस को धक्का देते हुए तस्वीर खिंचा रहे हैं। अगर कल उनके साथ कुछ बीत जाए तो आप क्या कीजिएगा। हमें अपना काम करने दीजिए।

टाटा ग्रुप की कंपनी को लेना पड़ रहा है लोन, चीन की वजह से आई ऐसी नौबत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप की एक कंपनी को बैंकों से कर्जा

लेना पड़ रहा है। टाटा मोटर्स की ब्रिटिश लग्जरी कार यूनिट जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी को अगले साल की शुरुआत में कर्ज की अदायगी करनी है। इसे रिफाइनेंस करने के लिए वह पांच बैंकों से 2 अरब पाउंड यानी करीब 2,56,03,24,00,000 रुपये जुटाने की तैयारी में है। कंपनी के अहम बाजार चीन में डिमांड में कमी आने और पिछले साल सितंबर में साइबर अटैक का कारण उसका प्रोडक्शन और मुनाफा पिछले साल प्रभावित हुआ। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जेएलआर कई मल्टीनेशनल बैंकों से 5 साल का लोन जुटा रही है। पिछले साल कंपनी का नेट प्रॉफिट गिरकर 14 मिलियन पाउंड रह गया था जो एक साल पहले 2.5 अरब पाउंड था। जेएलआर को पिछले फाइनेंशियल ईयर में अमेरिकी टैरिफ, चीन में कमजोर डिमांड और साइबर हमले का सामना करना पड़ा। सितंबर में साइबर हमले के कारण कई हफ्तों तक कंपनी का उत्पादन प्रभावित हुआ था। माना जा रहा है कि इस लोन की कीमत यूके बेंचमार्क स्टरलिंग ओवरनाइट इंडेक्स एवरेज के रेट से 155 बेसिस अंक ज्यादा रह सकती है।

5,200 महंगी हुई चांदी, ईरान संकट से सोने की भी चमक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक बार फिर संकट गहरा गया है। इससे आज सोने और चांदी

कीमत में तेजी आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में 1,000 रुपये और चांदी की कीमत में 5,000 रुपये से अधिक तेजी आई है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर इजरायल ने लेबनॉन में सैन्य कार्रवाई बंद नहीं को तो वह अमेरिका के साथ चल रही बातचीत बंद कर देगा और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह ब्लॉक कर देगा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी कहना है कि अगर ईरान के साथ बातचीत बंद हो गई है तो उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह बातचीत बोरिंग होने लगी थी। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,59,241 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज यह 1,59,449 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,000 रुपये से अधिक तेजी के साथ 1,60,400 रुपये तक उछला ।साथ 1,60,224 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी भी 4,340 रुपये यानी 1.63 फीसदी तेजी के साथ 2,70,503 रुपये पर ट्रेड कर रही थी।

पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है

फिर सस्ता हुआ क्रूड लेकिन भोपाल में पेट्रोल 114 तो डीजल 99 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतों में मिला जुला संकेत है। एक ओर इंडियन बॉस्केट क्रूड सस्ता हुआ है तो मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में मामूली तेजी दिखी है। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी मंगलवार, 2 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को

रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

डीजल की कीमत क्या है: सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

क्रूड ऑयल के मामूली तेजी: ग्लोबल मार्केट में सोमवार को फिर से कच्चे तेल में मिलाजुला रूख दिखा। एक ओर इंडियन बॉस्केट क्रूड का दाम 0.92 फीसदी कम होकर 96.60 डॉलर प्रति बैरल रह गया तो दूसरी ओर मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में मामूली 0.02 फीसदी की तेजी दिखी। सुबह के कारोबार में यह 94.96 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था। डब्ल्यूटीआई क्रूड में 0.17 फीसदी की गिरावट दिखी। यह 92.00 प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था।

ऐसे चेक करें भाव: पेट्रोल-डीजल के भाव जब बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज़ का रेट के जरिए भी जान सकते हैं । इंडियन ऑयल के कस्टमर के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता ऋस्क के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

भारतीय कंपनियों को अभी भी नुकसान

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पहले बताया था कि भारत की सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। लेकिन चार चरणों में दाम बढ़ाने के बाद यह घट कर हर रोज करीब 750 करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि, पिछले साल इंडयन ऑयल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने 77,821 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है।

एलपीजी की बिक्री में 24 प्रतिशत की भारी गिरावट, पेट्रोल-डीजल की बिक्री बढ़ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी यानी लिक्विड पेट्रोलियम गैस की किल्लत की खबरों के बीच भारत में इसकी बिक्री घटी है। जी हां, बीते मई महीने के दौरान एलपीजी की बिक्री में 24 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। हालांकि, इसी दौरान पेट्रोल की बिक्री में 4.8 प्रतिशत जबकि डीजल की बिक्री में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हवाई जहाज के ईंधन या एटीएफ की बिक्री में भी 1.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सरकारी तेल कंपनियों की तरफ से जारी सेल्स आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। ये आंकड़े बीते मई के हैं और इसकी तुलना बीते साल के मई के आंकड़ों से की गई है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल एवं हवाई जहाज के ईंधन के बाजार में इंडियन ऑयल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी की है। यदि एलपीजी की बात करें तो इसमें तो इन तीनों कंपनियों की हिस्सेदारी करीब शत-प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2026 के दौरान भारत में एलपीजी की बिक्री में करीब 16 फीसदी का इजाफा हुआ था। माना जा रहा है कि उस समय ईरान-इजरायल युद्ध के आलोक में घर में रखे खाली सिलेंडरों को भी बदल कर भरे सिलेंडर ले रहे थे। इसलिए इसकी बिक्री बढ़ी थी। मई में यह इसलिए घट गया क्योंकि सप्लाई सामान्य हो गई और ग्राहकों के घर के अतिरिक्त सिलेंडर पहले से भरे पड़े थे। डीजल की खपत मुख्य रूप से सड़क परिवहन के साधनों में होता है। इसके साथ ही खेती-बारी के लिए ट्रैक्टर और पम्पिंग सेट चलाने के लिए भी डीजल का ही उपयोग होता है। सरकारी तेल कंपनियों के आंकड़े कहते हैं कि भारत में पेट्रोल के मुकाबले डीजल की खपत करीब ढ़ाई गुना है।

मनचाहा पैसा देने को तैयार हैं कंपनियां

वैभव सूर्यवंशी को साइन करने के लिए ब्रांड्स में मची होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के नए स्टार वैभव सूर्यवंशी पर पैसों की बारिश हो रही है। हाल में संपन्न आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सूर्यवंशी को साइन करने के लिए कम से कम छह टॉप ब्रांड्स लाइन में खड़े हैं। इनमें स्पोर्ट्स ड्रिंक, क्रिकेट बैट, न्यूट्रीशन और हाई परफॉर्मेंस फुटवियर बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं। हालांकि सूर्यवंशी की टीम राजस्थान रॉयल्स फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही लेकिन 15 साल के इस बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। ईटी की एक रिपोर्ट में इंडस्ट्री के एग्जीक्यूटिव्स के हवाले से बताया गया है कि कई टॉप ब्रांड्स सूर्यवंशी को साइन करने के लाइन में लगे हैं। एक एग्जीक्यूटिव ने कहा कि सूर्यवंशी को साइन करने के लिए ब्रांड्स में होड़ मची है। इस रेस में कोई पिछड़ना नहीं चाहता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि अभी उनके सामने लंबा करियर है। साथ ही अभी एक वैक्यूम भी है क्योंकि बड़े क्रिकेटर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

एक ब्रांड के मार्केटिंग चीफ ने कहा, 'सूर्यवंशी की फीस अभी 50 लाख रुपये प्रति डील है जो 1 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। लेकिन यह नेगोशिएशंस और इस बात पर निर्भर करेगा कि उनका परिवार उनको कितना एक्सपोजर देना चाहता है।

वैभव सूर्यवंशी का करियर

डेब्यू : 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण आईपीएल : 2025 के ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ में खरीदा मौजूदा एंडोर्समेंट : कॉम्प्लान, झारखंड हेल्थ डिपार्टमेंटसंभावित ब्रांड डील : स्पोर्ट्स ड्रिंक, न्यूट्रीशन, फुटवियर

कमर्शियल वैल्यू

एग्जीक्यूटिव ने कहा कि पहले की तरह ब्रांड्स अब 3 से 5 साल की डील नहीं करना चाहते हैं। अब वे 2 से 3 साल की डील चाहते हैं। खिलाड़ी के प्रदर्शन के आधार पर उनके पास कॉन्ट्रैक्ट को आने नहीं बढ़ाने का विकल्प रहेगा। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि एंडोर्समेंट फीस के इतर बड़ी बात यह है कि उनके ब्रांड को कितनी सावधानी के साथ गढ़ा जा रहा है। सूर्यवंशी ने हाल में संपन्न आईपीएल में 16 मैचों में 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए।

यूपीआई पर रिकॉर्ड ट्रांजेक्शन, पिछले महीने 30 लाख करोड़ का पेमेंट !

नई दिल्ली, एजेंसी। पड़ोस की दुकान पर आप खरीदारी करने गए। आपने 17 रुपये का सामान लिया और 100 का नोट दिया। दुकानदार कहता है, खुले पैसे दो या यूपीआई कर दो। आप अपना मोबाइल फोन निकालते हैं, क्यूआर कोड स्कैन करते हैं और पेमेंट हो जाता है। इसी आसानी की वजह से यूपीआई ने इतिहास बना दिया है। जी हां, बीते मई महीने के दौरान कुल 29.90 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। यूपीआई करना बेहद सरल हो गया है। देश में जैसे-जैसे स्मार्टफोन रखने वालों की संख्या

बढ़ी, वैसे-वैसे इसकी स्वीकार्यता बढ़ी। यही नहीं, अब तो पारंपरिक फोन में भी यूपीआई पेमेंट की सुविधा आने लगी है। यही नहीं इससे पेमेंट स्वीकारने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अब चाय की टपरी से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल्स और हवाई अड्डे तक में यूपीआई स्वीकार किया जा रहा है।

19 फीसदी की बढ़ोतरी

नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया या एनपीसीआई के आंकड़ों के मताबिक बीते मई महीने में करीब 30 लाख करोड़ रुपये का यूपीआई ट्रांजेक्शन हुआ जो कि एक साल पहले के इसी महीने के मुकाबले 19 फीसदी ज्यादा है। यही नहीं, एक महीने पहले यानी अप्रैल 2026 के मुकाबले भी यह तीन फीसदी ज्यादा है। मई 2026 में कुल 23.2 अरब ट्रांजेक्शन हुए जबकि अप्रैल 2026 में 22.35 अरब ट्रांजेक्शन हुए थे। यूपीआई का 'औसत टिकट साइज' (प्रति लेनदेन की औसत रकम) घटी है।

8वें वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों को दी राहत, 15 जून तक जमा कर सकेंगे मेमोरेंडम

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर केंद्रीय कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने सुझाव और मांगपत्र (मेमोरेंडम) जमा करने की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। वेतन आयोग के इस फैसले का असर देश के करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनर्स पर पड़ेगा, जिनमें रक्षा कर्मी और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मचारी भी शामिल हैं।

क्या है नई समयसीमा: आठवें वेतन आयोग ने अब यह समयसीमा 15 जून 2026 तक कर दी है। इससे पहले अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई थी। बता दें कि यह दूसरी बार है जब वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की समयसीमा बढ़ाई है। इससे पहले 30 अप्रैल की समयसीमा थी।

दरअसल, वेतन आयोग ने इसी साल फरवरी महीने में एक वेबसाइट को लॉन्च किया था। इस वेबसाइट के जरिए वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों और कर्मचारी संगठन समेत अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे थे। सुझाव भेजने के लिए वेबसाइट पर कर्मचारियों, पेंशनर्स, यूनियनों और सरकारी विभागों को पहले अपनी श्रेणी का चयन करना होगा, फिर मोबाइल नंबर या ई-मेल के जरिए सत्यापन कर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। फॉर्म में वेतन संशोधन, फिटमेंट फैक्टर, भत्ते, पेंशन ढांचे और पे मैट्रिक्स से जुड़े सुझाव दर्ज किए जा सकते हैं। इसके अगले स्टेप में यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी, जिसके आधार पर आवेदन की ट्रैकिंग और आयोग से बैठक के लिए अनुरोध किया जा सकेगा। बता दें कि सभी मेमोरेंडम केवल वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने होंगे। केंद्र सरकार ने पिछले साल जनवरी में आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया था लेकिन यह नवंबर 2025 में अमल में आया। पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाले 8वें वेतन आयोग ने इस साल अपना कामकाज शुरू किया है। आयोग में पूर्व आईएएस अधिकारी पंकज जैन, सदस्य-सचिव और प्रोफेसर पुलक घोष सदस्य के रूप में शामिल हैं। आइए जान लेते हैं कि आठवें वेतन आयोग की जून और जुलाई में कब-कब बैठक होने वाली है। जम्मू और कश्मीरः श्रीनगर में बैठक 1-4 जून (सोमवार-गुरुवार) तक निर्धारित है और हितधारकों के पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में संबंधित हितधारकों के साथ बैठक 8 जून (सोमवार) को निर्धारित है और उनके पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था। लखनऊ में बैठक 22-23 जून (सोमवार और मंगलवार) तक निर्धारित है और हितधारकों के पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 10 जून तक का समय है।

महीने में दो बार सैलरी दीजिए', अनुपम मित्तल ने अपील करके मचा दी सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शादी डॉट कॉम के संस्थापक अनुपम मित्तल ने सनसनी मचा दी है। उन्होंने कंपनियों से बड़ी अपील कर दी है। अपील यह है कि वे इस बात पर फिर से सोचें कि कर्मचारियों को सैलरी कैसे और कब दी जाए। उनका तर्क है कि सैलरी आदर्श रूप से महीने में दो बार दी जानी चाहिए। न कि उस 'ब्रिटिश-जमाने' के सिस्टम को फॉलो करते हुए जिसमें सैलरी अगले महीने दी जाती है। मित्तल ने सोमवार को लिंक्डइन पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि कई कंपनियां खुद को कर्मचारी-केंद्रित दिखाने के लिए ज्यादा छुट्टियां, मुफ्त खाना और रिमोट वर्क जैसे फायदों को बढ़ावा देती हैं। लेकिन, अक्सर कर्मचारियों के लिए सबसे जरूरी मुद्दों में से एक को नजरअंदाज़ कर देती हैं। वह है - समय पर सैलरी का पेमेंट। उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर कंपनियां 7 तारीख को सैलरी देती हैं। कुछ 1 तारीख को देती हैं सिवाय तब जब उस दिन वीकेंड हो, जिसका मतलब है कि सैलरी 2, 3 या 4 तारीख को मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले हमने कंपनी में फैसला किया कि सैलरी मौजूदा महीने के आखिर में ही दी जानी चाहिए, न कि अगले महीने। यह कोई 'पर्क' (अतिरिक्त सुविधा) नहीं है, बल्कि यह तो 'कॉमन सेंस' (सामान्य समझ) की बात

है।' मित्तल के अनुसार, सैलरी मिलने में देरी का कर्मचारियों के रोजमर्रा के खर्चों पर काफी असर पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'कारण है कि कुछ लोगों के लिए एक हफ्ते की देरी शायद सिर्फ एक 'अकाउंटिंग डिटेल' (हिसाब-किताब की छोटी-मोटी बात) हो सकती है। लेकिन, ज्यादातर लोगों के लिए इसका मतलब हो सकता है - श्वस्छ्व का बाउंस होना, किराए का जुगाड़ करने की हड़बड़ी, किसी को फोन करके पैसे मांगने की शर्मिंदगी या फिर किसी ऐसी समस्या को ठीक करने में आधा दिन बर्बाद करना जो असल में कभी पैदा ही नहीं होनी चाहिए थी।'उन्होंने तर्क दिया कि सैलरी का समय पर और आसानी से मिलना कर्मचारियों की आर्थिक स्थिरता को बेहतर बनाता है। उन्होंने आगे कहा, 'कैश फ्लो ही असल 'गरिमा' है।' मित्तल ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए सुझाव दिया कि कंपनियों को कर्मचारियों को महीने में दो बार सैलरी देने पर विचार करना चाहिए।

ठेलेवाला कितना कमाता होगा ये न सोचना, 5 लाख के लोन से आज 3 करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। किस्मत चमकते देर नहीं लगती। बस, आप अपना काम ईमानदारी से करते रहिए। ऐसा ही कुछ अब्दुल रईस के साथ हुआ है। वह मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के रहने वाले हैं। एक समय था जब उन्हें ठेले पर फल बेचने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन, 5 लाख रुपये के लोन और कड़ी मेहनत ने सबकुछ बदल दिया। आज अब्दुल रईस ने 3 करोड़ सालाना के टर्नओवर वाला बिजनेस खड़ा कर दिया है। अपनी मुश्किलों को उन्होंने कामयाबी का किस्सा बनाया है। आइए, यहां अब्दुल रईस की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की हिम्मत किसी की भी जिंदगी बदल सकती है। अब्दुल रईस ने करीब 30 साल पहले अपना सफर शुरू किया था। उस समय वह बेहद मुश्किल हालात में एक साधारण से ठेले पर फल बेचा करते थे। चुनौतियां इम्तिहान लेती रहीं। खासकर बारिश के मौसम में। तब बिजनेस पूरी तरह से ठप हो जाता था। इन रुकावटों के बावजूद उन्होंने अपने सफर में आगे बढ़ने का फैसला किया। आखिरकार उन्हें कामयाबी मिल ही गई। अपने रिश्तेदारों और परिवार की मदद से रईस ने करीब 5 लाख रुपये का लोन लेकर अपना बिजनेस दोबारा शुरू किया। यह उनकी जिदंगी का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

धीरे-धीरे उनकी मेहनत और लगन रंग लाने लगी। उनका छोटा सा बिजनेस बड़ा होने लगा। समय के साथ रईस ने अपने छोटे से ठेले वाले बिजनेस को बहुत बड़े और सफल

फलों के बिजनेस में बदल दिया। अब्दुल रईस का बिजनेस अब 'नीलम फ्रूट' के नाम से जाना जाता है। बुरहानपुर में यह एक जाना-माना नाम बन चुका है। ग्राहक दूर-दूर से उनकी दुकान पर फल खरीदने आते हैं। उनकी दुकान ने अपनी अच्छी क्वालिटी और भरोसे के दम पर खास पहचान बनाई है।

तेजी से फल-फूल रहा कारोबार

हर दिन फलों से लदी करीब 2-3 गाड़ियां उनकी दुकान पर पहुंचती हैं। रिटेल ग्राहकों के अलावा, कई छोटे व्यापारी भी उनसे फल खरीदते हैं। उन्हें स्थानीय बाजारों में बेचते हैं। इससे उनके व्यवसाय का विस्तार और भी बढ़ जाता है। जो काम एक साधारण ठेले के व्यवसाय के रूप में शुरू हुआ था, वह अब फलता-फूलता उद्यम बन गया है। अब्दुल रईस की यह यात्रा इस बात की मिसाल है कि लगन, साहस और निरंतर प्रयास से कठिन से कठिन चुनौतियों पर भी विजय पाई जा सकती है।

अब 3 करोड़ का सालाना टर्नओवर

न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, आज अब्दुल रईस का सालाना टर्नओवर करीब 3 करोड़ रुपये है। उन्होंने लगभग 15 लोगों को रोजगार दिया हुआ है। जो सफर कभी सिर्फ गुजारा करने के संघर्ष के तौर पर शुरू हुआ था, आज वह कई और लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन चुका है। रईस ने फलों की सप्लाई का बहुत बड़ा नेटवर्क खड़ा किया है। इसके तहत वह भारत के करीब 10 राज्यों से फल मंगवाते हैं। न सिर्फ वह फलों की खरीद-फरोख्त का काम संभालते हैं।

बॉलीवुड के टॉक्सिक माहौल की शेखर सुमन ने खोली पोल

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं।

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

इंडस्ट्री में जलन से भरे हैं लोग

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।'

अभिनय में भी सक्रिय हैं शेखर सुमन

शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

मृणाल ठाकुर ने दिया खास प्रोजेक्ट का हिंट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस बीच उन्होंने खुलासा किया है कि वह किसी 'बहुत खास' प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगी। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, 'ऑल राइट, लेट्स गो!' उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, 'कुछ बहुत-बहुत खास के लिए डबिंग कर रही हूं! उस जादू को देखने का इंतजार नहीं कर सकती, जिसे हमने बनाया है। मेरा दिल बेहद भावुक है और मैं भगवान की बहुत आभारी हूं! जल्द ही घोषणा करूंगी।'

'है जवानी तो इश्क होना है' जून में रिलीज होने जा रही है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी है, जिसे कई लड़कियों ने रिजेक्ट कर दिया था। वह अकेलेपन के साथ जिंदगी बिता रहा था लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि उसके जीवन में बड़े बदलाव आते हैं।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 'है जवानी तो प्यार होना है' डेविड धवन की फिल्म 'बीवी नंबर 1' का एक सुपरहिट गाना है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन नजर आए थे। माना जा रहा है कि आने वाली इस फिल्म का नाम इसी लोकप्रिय गाने से प्रेरित है।

यह डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म 'ताकतवर' से की थी। डेविड धवन ने अपने करियर में 45 फिल्मों का निर्देशन किया है। इनमें आंखें, बीवी नंबर 1, जुड़वा, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, दीवाना मस्ताना, शोला और शबनम, राजा बाबू, बड़े मियां छोटे मियां, हसीना मान जाएगी, दुल्हन हम ले जाएंगे, मुझसे शादी करोगी, मैंने प्यार क्यों किया?, पार्टनर, चश्मे बद्दूर और मैं तेरा हीरो जैसी फिल्में शामिल हैं।

वहीं, मृणाल ठाकुर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। वह 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' और 'कुमकुम भाग्य' जैसे टीवी शो में नजर आई थीं। उन्होंने 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'सुपर 30', 'बाटला हाउस', सीता रामम' और 'हाय नन्ना जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

मुझे नहीं आती सोशल मीडिया मार्केटिंग

आमिर खान ने बदलते दौर में फिल्म मार्केटिंग को लेकर अपनी राय साझा की है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान आमिर ने माना कि वह सोशल मीडिया मार्केटिंग की दुनिया को अब तक पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने खुद को इस मामले में पूरी तरह जीरो बताते हुए कहा कि पहले फिल्मों का प्रचार करना कहीं ज्यादा आसान हुआ करता था। आमिर ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के दिनों को याद करते हुए भी बताया कि उस समय पूरे देश में सिर्फ दूरदर्शन का दबदबा था। फिल्म के चारों गानों को दूरदर्शन के लोकप्रिय कार्यक्रम 'छायागीत' और बाद में 'चित्रहार' में लगातार चार गुरुवार तक प्रसारित कराया गया। अब दर्शक अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बिखरे हुए हैं, जिससे यह समझना मुश्किल हो गया है कि आखिर टर्शक कहां मौजट हैं।

'अल्फा' में जासूस नहीं बनेंगी आलिया

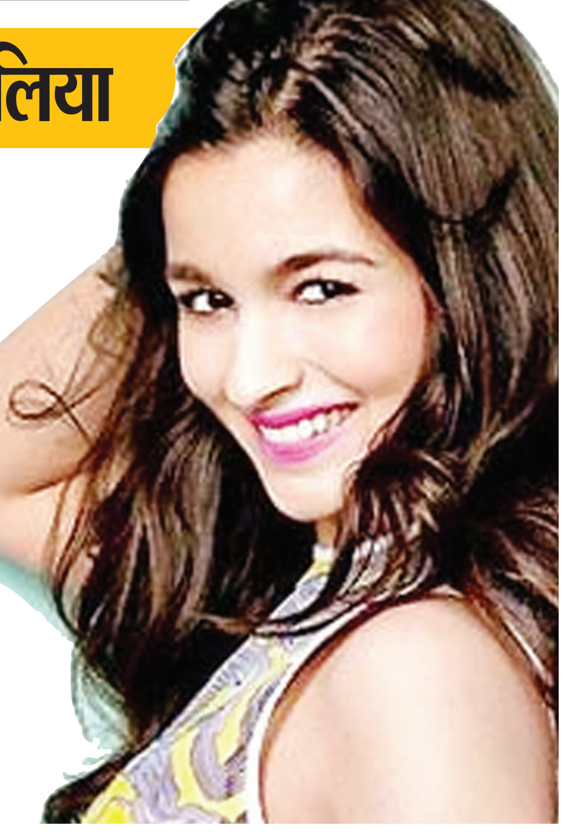

आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' के स्पाई एक्शन ड्रामा फिल्म बताई जा रही है। कहानी की जॉनर से फैंस ने अंदाजा लगाया कि फिल्म में आलिया जासूस बन सकती हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। वह फिल्म में जासूस का किरदार नहीं निभा रही हैं। इसके बजाय आलिया भट्ट ऐसा किरदार निभा रही हैं, जो अपने करियर में उन्होंने अब तक नहीं निभाया है।

फिल्म में आलिया निभाएंगी अलग तरह का किरदार

आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले यह फिल्म बन रही है। इस प्रोडक्शन के साथ काम कर रहे एक करीबी सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि आलिया भट्ट 'अल्फा' फिल्म में एक किलर का किरदार निभा रही हैं।' सूत्र के मुताबिक आलिया फिल्म 'अल्फा' में एक किलर का रोल करेंगी। वह कोई जासूस नहीं हैं। वह एक अल्फा किलर हैं। उनके किरदार को फिल्म में हत्या करने के लिए पाला जाता है।

जब यशराज फिल्म्स से इस खबर के बारे में पूछा गया। तो उनके प्रावक्ता ने कहा, 'हम बस इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस स्टेज पर हम इन चर्चाओं की ना तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।'

आलिया के अलावा ये एक्टर्स भी फिल्म में आएंगे नजर

'अल्फा' फिल्म में आलिया भट्ट के अलावा शरवरी, बॉबी देओल भी नजर आएंगे। बॉबी देओल इस फिल्म में विलेन का रोल निभाने वाले हैं। साथ ही अनिल कपूर भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म को शिव रवैल निर्देशित करेंगे। 'अल्फा' 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

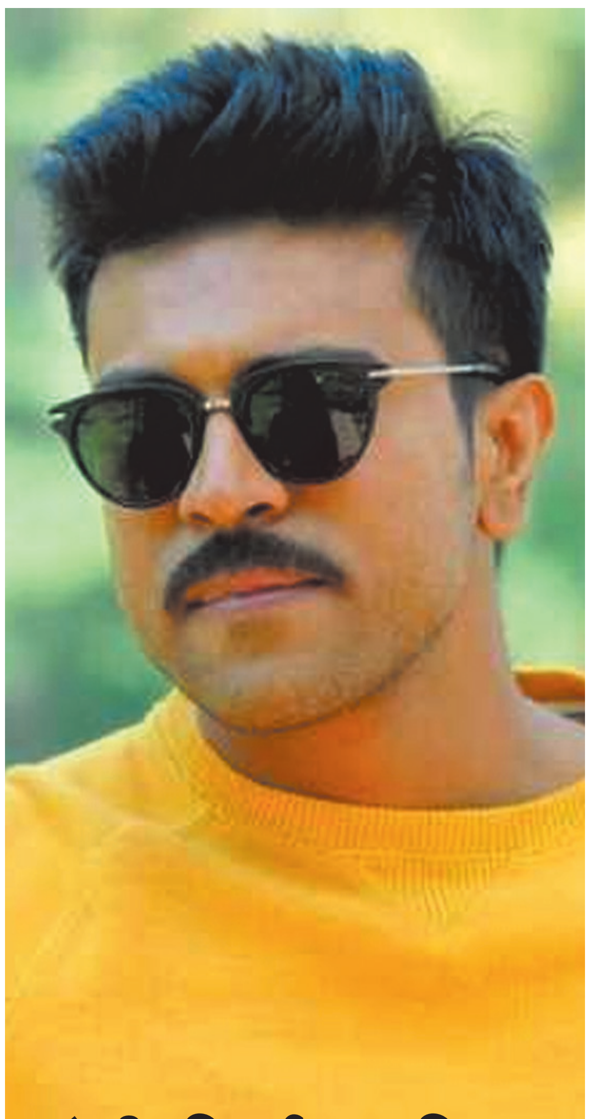

'पेद्दी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, ये भारत की मिट्टी की कहानी है इसने मुझे प्रेरित किया

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

पहली मुलाकात में मुझे कोई पसंद नहीं करता पति के रूप में अच्छे इंसान की तलाश है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे ष्टरूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।'

मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का यह आखिरी विश्व कप माना जा रहा है। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। आइए आपको उन पांच खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिन्होंने वर्ल्ड कप में दागे हैं सबसे ज्यादा गोल।

मिरोस्लाव क्लोस

जर्मनी के स्टार खिलाड़ी क्लोस फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने 2022 से लेकर 2014 के बीच में चार विश्व कप में हिस्सा लिया और इस दौरान खेले 24 मुकाबलों में कुल 16 गोल किए। 2002 और 2006 में क्लोस ने 5-5 गोल दागे थे, जबकि साल 2010 में 4 और अपने करियर के आखिरी विश्व कप में उन्होंने 2 गोल किए थे।

रोनाल्डो

ब्राजील के लिए खेलने वाले रोनाल्डो फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। द फेनोमेनन के नाम से मशहूर रोनाल्डो ने अपने 1994 से लेकर 2006 के बीच में कुल 15 गोल किए। उन्होंने यह उपलब्धि महज 19 मुकाबलों में हासिल की। 2002 विश्व कप में रोनाल्डो ने 8 गोल दागते हुए ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

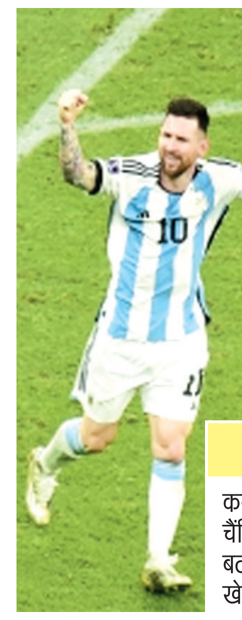

लियोनेल मेसी

साल 2022 में अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाने वाले लियोनेल मेसी फीफा विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे पायदान पर हैं। मेसी ने 2006 से लेकर 2022 के बीच वर्ल्ड कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया आखिरी विश्व कप मेसी के लिए यादगार रहा था और उन्होंने 7 गोल करके अर्जेंटीना को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

किलियन एमबाप्पे

कतर में हुए आखिरी विश्व कप में भले ही अर्जेंटीना चैंपियन बनी थी, लेकिन एमबाप्पे सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले खिलाड़ी रहे थे। फाइनल में एमबाप्पे के खेल ने विरोधियों को भी उनका मुरीद बना दिया था।

जस्टन फोंटेन

फ्रांस के इस खिलाड़ी ने 1958 विश्व कप के दौरान ऐसा रिकॉर्ड कायम किया था, जिसे तोड़ना बेहद मुश्किल नजर आता है। जस्टन ने इस विश्व कप में शानदार खेल दिखाते हुए अकेले 13 गोल किए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने यह कारनामा महज 6 मुकाबलों में ही करके दिखाया था। यह रिकॉर्ड आजतक कोई भी फुटबॉलर नहीं तोड़ सका है।

44 की उम्र में वापसी को तैयार सेरेना

● चार वर्ष तक खेल से रहीं दूर

डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा कर कहा सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार (8 जून) से शुरू होगा। हालांकि सेरेना के युगल जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।

सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं

सेरेना ने फरवरी में प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी के लिए पात्रता हासिल की थी। इसके लिए उन्होंने छह महीने पहले अनिवार्य डोपिंग रोधी कार्यक्रम में दोबारा पंजीकरण कराया था, जो वापसी की दिशा में पहला कदम माना जाता है। ग्रास कोर्ट पर वापसी के बाद यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं, जिसकी शुरुआत 28 जून से होगी। वह विंबलडन में सात बार एकल खिताब जीत चुकी हैं।

बेटी के साथ हार्ड कोर्ट पर अभ्यास करते हुए एक वीडियो शेयर किया था- सेरेना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के साथ हार्ड कोर्ट पर अभ्यास करते हुए एक वीडियो साझा किया था। उनकी दूसरी बेटी का जन्म 2023 में हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब उनके डोपिंग परीक्षण पूल में शामिल होने की खबर सामने आई थी, तब उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मैं वापसी नहीं कर रही हूं, यह अफवाह काफी बढ़ गई है।'

2027 में पहला मैच नहीं खेल पाएंगे टिम डेविड

फाइनल में अंपायर नितिन मेनन की ओर फेंका था आईस बैग

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी टिम डेविड पर रविवार (31 मई) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्हें दो डिमेरिट अंक भी मिले। डेविड पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उन्होंने पहली पारी के 10वें ओवर के दौरान अंपायर नितिन मेनन की तरफ गुस्से में आइस बैग फेंका था। आईपीएल ने कहा, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहित के लेवल 1 को तोड़ने के लिए दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं। डेविड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, टीम ऑफिशियल, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति पर या उसके पास गलत या खतरनाक तरीके से गेंद या कोई दूसरा सामान जैसे पानी की बोतलफेंकने से जुड़ा है।'

डेविड पर पहले दो बार क्यों लगा जुर्माना

11 मई को डेविड को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के मैच के बाद आर्टिकल 2.6 तोड़ने का दोषी पाया गया, जो अश्लील, आपत्तिजनक या अपमानजनक इशारा करने से जुड़ा है। उस घटना में उन्हें दो डिमेरिट अंक दिए गए और उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया। 13 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ में डेविड पर आर्टिकल 2.4 तोड़ने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया, जो मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है।

डेविड दो बार और कर चुके हैं लेवल 1 का उल्लंघन- डेविड के आईपीएल 2026 में पांच डिमेरिट अंक हो गए। इसके कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। डेविड ने इस सीजन तीसरी बार लेवल 1 का उल्लंघन किया। उन्होंने पहली बार मैच 20 (एक डिमेरिट अंक) में और दूसरी बार मैच 54 (दो डिमेरिट अंक) में लेवल 1 का उल्लंघन किया था।

फीफा को भारत में मिला ब्रॉडकास्टर

जी को मिले फुटबॉल विश्व कप 2026 से 2034 तक कई बड़े टूर्नामेंटों के राइट्स

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले भारत में प्रसारणकर्ता मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने सोमवार (1 जून) को कहा कि उसने फीफा के साथ करार किया। इसके तहत वह 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा। इसमें इस साल का वर्ल्ड कप, 2027 महिला वर्ल्ड कप और 2030 वर्ल्ड कप भी शामिल है। फुटबॉल मैच जी के नए लॉन्च हुए यूनाइट8 स्पोर्ट्स चैनेल यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1 HD, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 और यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 ।ष पर दिखाए जाएंगे और जी5 पर स्ट्रीम किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इस डील की कीमत लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (332 करोड़ रुपये) है।

फ्रेंच ओपन 2026

माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

● कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात

पेरिस। माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है।

यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया।

इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह

रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

पेरिस। एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आई। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

आईसीसी बैठक में हुआ फैसला

टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को मंजूरी

● 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकेंगे कोच

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी।

अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया। इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

क्या भारतीय टीम व्यवस्था स्वीकार करेगी- मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा।

फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल

आईसीसी के बयान के अनुसार, 'दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होगी।

- **गुलाबी गेंद से खेलने की अनिच्छा-** भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी अनिच्छा जता चुके हैं। गुलाबी गेंद से सीम मूवमेंट अधिक मिलने के कारण मैच का रुख बदल सकता है। आईसीसी बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल का नुकसान कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों पर शोध को भी मंजूरी दी है। इस अनुसंधान एवं विकास परियोजना को आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेंगे।
- **ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकते हैं कोच-** आईसीसी ने खेल नियमों में संशोधन करते हुए मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति दे दी है। टी20 क्रिकेट में रणनीतिक टाइम आउट के दौरान कोचिंग स्टाफ के मैदान पर आने की व्यवस्था पहले से लागू है और अब इसी तरह की सुविधा टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल तथा खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गई है।

आईपीएल-2026 के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल

● आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड का करेगी दौरा

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को रविवार (31 मई) को हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता और दो महीने से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल2026) समाप्त हो गया। सिर्फ एक हफ्ते के अंदर भारतीय टीम मैदान पर दिखाई देगी। भारत को 6 से 20 जून के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगा। न्यू चंडीगढ़ में खेला जाने वाला टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा नहीं होगा।

इसके बाद मेन इन ब्लू यूरोप के लिए उड़ान भरेंगे, जहां वह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सात टी20 और तीन वनडे मैच खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच अगस्त में होने हैं, यह सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी। हालांकि, शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में युवक की चाकू से 15 बार गोदकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के न्यू उस्मानपुर इलाके में चाकू से ताबड़तोड़ वार

करके 17 साल के नाबालिग की हत्या कर दी। मृतक की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। नाबालिग के शरीर पर चाकू के 15 से अधिक निशान मिले हैं। आशंका है रंजिश में हत्या को अंजाम दिया गया है। न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिग समेत तीन आरोपितों को दबोचा है। बालिग आरोपित की पहचान रिक्की के रूप में हुई है। अभिषेक अपने परिवार के साथ पांचवा पुश्ता उस्मानपुर में रहता था। परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। परिवार ने बताया कुछ माह पहले कुछ युवकों से अभिषेक का झगड़ा हुआ था। आरोपित जेल भी गए थे। जेल से आने के बाद वह अभिषेक को धमकियां दे रहे थे। सोमवार रात को अभिषेक किसी काम से घर से बाहर गया था। आरोप है जिनसे झगड़ा हुआ था, उन दो लोगों ने अभिषेक को घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। घायल हालत में जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में अब तक दो नाबालिग समेत तीन आरोपितों को पुलिस ने दबोचा है। बालिग आरोपित की पहचान रिक्की के रूप में हुई है।

ओएसएम विवाद में फंसी कंपनी हो सकती है ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई की 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लागू की गई आन-स्क्रीन मार्किंग

(ओएसएम) प्रणाली से जुड़े विवाद के बीच शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) डिजिटल परीक्षा सेवा प्रदाता कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर विचार कर रहा है। सीबीएसई से जुड़े सूत्रों के अनुसार कंपनी पर भारी आर्थिक दंड लगाने से लेकर भविष्य के सरकारी अनुबंधों से बाहर करने तक के विकल्पों पर चर्चा चल रही है। मामला उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग और मूल्यांकन प्रक्रिया में सामने आई तकनीकी गड़बड़ियों से जुड़ा है। इसमें हजारों उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कापियों में धुंधली छवियां, पन्नों के क्रम में गड़बड़ी और अन्य संरचनात्मक त्रुटियां सामने आई हैं। इन शिकायतों के बाद सीबीएसई ने मामले की समीक्षा शुरू की है। सूत्रों का कहना है कि सबसे पहले कंपनी पर अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन को लेकर भारी वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है। बोर्ड स्तर पर इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा यदि जांच में गंभीर लापरवाही या निविदा प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता साबित होती है तो कंपनी को केंद्र सरकार की भविष्य की परियोजनाओं से ब्लैकलिस्ट करने पर भी विचार किया जा सकता है।
ब्लैकलिस्टिंग से संबंधित प्रावधान बाद में संशोधित दस्तावेज में हटा दिया गया हालांकि, इससे जुड़ा एक कानूनी पहलू भी सामने आया है। पिछले वर्ष जारी निविदा दस्तावेज में ब्लैकलिस्टिंग से संबंधित प्रविधान बाद में संशोधित दस्तावेज में हटा दिया गया था। इसके बावजूद अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड के पास आवश्यक परिस्थितियों में किसी एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का अधिकार सुरक्षित है। सूत्रों के अनुसार एक अन्य विकल्प कंपनी के अनुबंध का नवीनीकरण नहीं करना भी है। बोर्ड के भीतर यह राय बन रही है कि भविष्य की परीक्षा प्रक्रियाओं में कंपनी को दोबारा जिम्मेदारी न सौंपी जाए और ओएसएम प्रणाली का विस्तार अन्य विषयों और कक्षाओं में करने से पहले इसकी व्यापक समीक्षा की जाए।

34 दिन में चार्जशीट, 8 दिन में ट्रायल पूरा; नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को कोर्ट ने दी उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार थाना पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के एक बेहद गंभीर मामले में त्वरित जांच और प्रभावी पैरवी के जरिए आरोपित को उम्रकैद की सजा दिलाने में सफलता हासिल की है। तीस हजारी कोर्ट ने दोषी को उसके शेष प्राकृतिक जीवन तक कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

साथ ही दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए पीड़िता के लिए 16.5 लाख रुपये के मुआवजे को भी मंजूरी दी है। इस मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज होने के 34 दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी। कोर्ट ने भी तत्परता दिखाई और आठ दिनों में सुनवाई पूरी करते हुए आरोपित को दोषी करार देते हुए उसे सजा सुना दी।

बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त उपायुक्त विक्रम सिंह ने मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि, बीते 17 अप्रैल को एक नाबालिग पीड़िता अपने माता-पिता के साथ निहाल विहार थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि आरोपित राम शंकर, जो पहले उसके घर के सामने रहता था और परिवार के संपर्क में था, ने जुलाई 2025 में उसके साथ पहली बार दुष्कर्म किया था।

आरोपित ने कथित तौर पर उसके भाई-बहनों को पैसे देकर घर से बाहर भेज दिया और इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद उसने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने किसी को भी बताया, तो वह उसकी छोटी बहन के साथ भी ऐसा ही करेगा। डरा धमकाकर आरोपित महीनों तक

दुष्कर्म करता रहा। बाद में जब पीड़िता गर्भवती हुई, तब उसने अपनी मां को आपबीती सुनाई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और पाक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर एसीपी राजबीर लांबा की निगरानी और एसएचओ शीश पाल की निगरानी में एसआई मनीषा ने जांच शुरू की। मेडिकल परीक्षण में पीड़िता के 32 सप्ताह और 4 दिन की गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपित राम शंकर को शिकायत दर्ज होने के दिन ही निहाल विहार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

जांच टीम ने महज 34 दिनों के भीतर अदालत में चार्जशीट दाखिल किया। पुलिस द्वारा अदालत के समक्ष प्रस्तुत डीएनए प्रोफाइलिंग सहित वैज्ञानिक साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने केवल आठ दिनों में ट्रायल पूरा कर लिया। सभी दोष सिद्ध होने पर 30 मई को अदालत ने आरोपित को उम्रकैद की सजा सुनाई, जिसके तहत अब उसे अपना शेष प्राकृतिक जीवन जेल में ही काटना होगा।

निहाल विहार पुलिस ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के साथ बेहतर समन्वय बनाकर पिछले दो महीनों में दो अन्य अपराधियों को भी उनके अंजाम तक पहुंचाया है।

इलाके के ही एक जानकार ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा किया और उसका यौन उत्पीड़न किया था। पुलिस की स्पेशल टीम ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से पीड़िता को सुरक्षित छुड़ाया और आरोपित को गिरफ्तार किया। इस मामले में भी 30 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया गया और फास्ट ट्रैक कोर्ट ने त्वरित सुनवाई करते हुए आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

आरोपित रवि कुमार ने देर रात एक सुनसान जगह का फायदा उठाकर महिला को बंधक बनाया और उसके साथ बर्बरतापूर्वक दुष्कर्म किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम ने सीधे मौके पर पहुंचकर पुख्ता इलेक्ट्रानिक व जैविक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने रिकार्ड समय में चार्जशीट पेश की, जिसके चलते स्थानीय कोर्ट ने आरोपी की सभी जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए उसे उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा से दंडित किया। वैज्ञानिक साक्ष्यों और त्वरित जांच के बल पर हमने अपराधियों को रिकार्ड समय में सजा दिलवाकर समाज में कड़ा संदेश दिया है।

पानी अब 30-50 रुपये तक बिक रहा है

हैदरपुर में पेयजल की किल्लत, अधिक कीमत पर पानी खरीदने को मजबूर लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदरपुर में पानी की किल्लत के कारण लोग अधिक कीमत पर पानी खरीदने को मजबूर है। 20 रुपये में 20 लीटर पानी मिलने वाला पानी अब 30-50 रुपये तक बिक रहा है। क्षेत्र में लगभग सप्ताहभर से जलापूर्ति बाधित है। लोगों को पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

हैदरपुर गांव में लगभग सप्ताहभर से पानी की समस्या बनी हुई। तो अंबेडकर नगर के लोगों को तीन-चार दिनों से पानी नहीं मिल पा रहा। जलसंकट के कारण क्षेत्र के लगभग 20 हजार से अधिक लोग प्रभावित है।

पानी की समस्या के कारण लोग निजी प्लांटों पर निर्भर हो चुके है। जबकि कुछ लोग आसपास के क्षेत्रों से पानी की व्यवस्था करने को मजबूर है। प्लांटों पर कुछ दिनों पहले 20 रुपये में 20 लीटर पानी मिल रहा था। लेकिन बढ़ती गर्मी के बीच पानी की किल्लत के कारण 20 लीटर पानी के 30-50 रुपये वसूले जा रहे है। इसके अलावा घर तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त पैसा चुकाना पड़ता है।

जलसंकट के कारण लोगों की दैनिक दिनचर्या भी असर पड़ रहा है। महिलाएं, बच्चे व परिवार के सभी लोग पानी की व्यवस्था करते है। तब जाकर महिलाएं घरेलू कामकाज कर पाती है और अन्य लोग अपने कार्यस्थल पर पहुंचते है। आगामी दिनों में भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत लोगों की मुसीबत और बढ़ा सकती है। हमारे यहां तीन-चार दिनों से पानी ही नहीं आ रहा था। थोड़ा बहुत पानी आया है। लेकिन वह भी सीवर का बदबूदार पानी है। जो पीने की दूर, किसी काम में उपयोग करने लायक ही नहीं है। - मनोज कुमार चावला, अंबेडकर नगर, हैदरपुर जब से पानी नहीं आ रहा। तब से पानी बेचने वालों ने भी पानी महंगा कर दिया। घर तक पहुंचाने के उन्हें अतिरिक पैसे और देने पड़ते है। वरना पानी ढोहकर लाओ। तब पीने का पानी मिलेगा। - देवेंद्र कुमार शर्मा, अंबेडकर नगर, हैदरपुर गांव में सप्ताहभर से पानी की इतनी समस्याओं हो रही है कि पीने के लिए पानी नहीं है।

कटड़ा वंदे भारत सहित कई ट्रेनों का रूट बदला, दिल्ली अंबाला रेलखंड पर 6 जून तक आवाजाही पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल परिचालन को बेहतर करने के लिए रेलवे सिग्नलिंग प्रणाली का उन्नयन कर रहा है। कई स्थानों पर इसे लेकर काम चल रहा है। इसी कड़ी में मोहरी एंड शाहबाद मारकंडा में नॉनइंटरलाकिंग का काम किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह काम नए इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग पैनल लगाने और रेल नेटवर्क को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए किया जाता है। इस काम को पूरा करने के लिए दिल्ली अंबाला रेलखंड पर इस सप्ताह ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ेगा। माता वैष्णो देवी सहित अन्य शहरों के लिए चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं।

प्रभावित ट्रेनें: 22439/22440 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस 22447/22448 नई दिल्ली-अंब अंदौरा वंदे भारत एक्सप्रेस 12013/12014 नई दिल्ली-अमृतसर वंदे भारत एक्सप्रेस 22461/22462 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा श्री शक्ति एसी एक्सप्रेस अब क्या रहेगा कटड़ा वंदे भारत का रूट? नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस (22439/22440) व नई दिल्ली- अंब अंदौरा वंदे भारत एक्सप्रेस (22447/22448) दो से छह जून तक नई दिल्ली-अंबाला रेलखंड के रास्ते चलने की जगह नई दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ सिटी-सहारनपुर होते हुए अंबाला पहुंचेगी।

दिल्ली-एनसीआर में 5 जून तक बारिश के आसार, तपन भरी गर्मी से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। तपन भरी गर्मी से दिल्ली-एनसीआर को आज भी राहत मिलती रहेगी। मौसम विभाग की मानें तो दोपहर बाद अथवा शाम के समय शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में आई गिरावट बरकरार रहेगी। मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही रहेगी। शाम या रात के समय तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती है।

नौतपा के अंतिम दिनों में गर्मी फिर से बेहाल करने लगी है। 28 मई से हुई बूंदाबांदी ने गर्मी से कुछ राहत दी थी, लेकिन फिर से तापमान में वृद्धि होने से गर्मी परेशान करने लगी है। सोमवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

एक सप्ताह बाद फिर से दिन और रात के तापमान 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। गर्मी बढ़ने से बाजारों में रौनक कम होने लगी है। दिनभर मौसम उमस रहने से पसीने से तरबतर

रहे। पार्क भी सुने रहे। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 3 से 5 जून तक बारिश होने के आसार हैं। इस बीच 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। 6 जून से तापमान में वृद्धि होने से गर्मी फिर से बढ़गी। मौसम साफ होने से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो सकता है। लू चलने के आसार भी जताए हैं। उधर, मंगलवार को सुबह 9 बजे दिल्ली का एक्यूआई 99 दर्ज किया गया। इसे 'संतोषजनक' श्रेणी में रखा जाता है। संतोषजनक श्रेणी में ही चल रही है। पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

ईरान के शांति वार्ता रोकने की खबरों पर ट्रंप बोले- मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता

अमेरिका ने ईरान के रडार-कंट्रोल साइट्स पर किया हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल में बड़ी संख्या में लोगों ने सेना में अनिवार्य भर्ती के विरोध में सड़कों और ट्रेनों को अवरुद्ध करते हुए पूरे देश में प्रदर्शन किया है। इस विरोध प्रदर्शन के कारण राजमार्ग ठप्प हो गए और यरुशलम और तेल अवीव मेट्रो क्षेत्र दोनों में भारी भीड़ के कारण सार्वजनिक परिवहन बाधित हो गया।

इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, अति-रूढ़िवादी दलों ने अपने अनुयायियों को सैन्य सेवा से छूट दिलवाकर धार्मिक शिक्षा संस्थानों में अध्ययन करने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। वहीं, अब इन छूटों पर खतरा मंडरा रहा है। कई मोर्चों पर युद्ध लड़ते हुए सैनिकों की भारी कमी का सामना कर रही इस्राइली सेना अनिवार्य सेवा की

अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है।

अधिकांश इस्राइली पुरुषों के लिए लगभग तीन वर्ष की सैन्य सेवा अनिवार्य है, जिसके बाद उन्हें कई वर्षों तक आरक्षित सेवा में रहना पड़ता है। वहीं, महिलाओं के लिए दो वर्ष की अनिवार्य सेवा होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान द्वारा वाशिंगटन के साथ वार्ता रोकने की खबरों से उन्हें कोई चिंता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि तेहरान ने वार्ता में बहुत अधिक समय ले लिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना उनका सर्वोपरि उद्देश्य बना हुआ है।एक फोन साक्षात्कार में ट्रंप ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि वार्ता में विफलता से उनके दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा।

● सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल में बवाल

सैन्य भर्ती के खिलाफ कट्टरपंथी यहूदी सड़कों पर उतरे, हिंसा-आगजनी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में सोमवार को हजारों अति-रूढ़िवादी (अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स) यहूदियों ने देशभर में प्रदर्शन किया। जिससे हिंसा और बवाल की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों और रेल मार्गों को अवरुद्ध कर दिया तथा कई स्थानों पर वाहनों में आग लगा दी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। इस्राइली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को जाम कर दिया और एक स्थान पर बस से उतरे एक सैनिक पर भी हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन और घुड़सवार बल का सहारा लेना पड़ा। विरोध प्रदर्शन के कारण यरुशलम और तेल अवीव महानगरीय क्षेत्र समेत देश के

मध्य हिस्से में यातायात व्यवस्था लगभग ठप हो गई। कई राजमार्ग बंद कर दिए गए और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित रहीं। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, राजनीतिक रूप से प्रभावशाली अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय को लंबे समय से धार्मिक शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के आधार पर सैन्य सेवा से छूट मिलती रही है। अब इस छूट पर खतरा मंडरा रहा है। कई आम इस्राइली नागरिक इस व्यवस्था से नाराज हैं, क्योंकि लगातार सैन्य अभियानों के चलते इस्राइली सेना सैनिकों की कमी से जूझ रही है, जिससे सेना पर दबाव बढ़ रहा है। इस बीच भी अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के अधिकांश युवा भर्ती से बाहर रहते हैं। यही मुद्दा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी संकट बन गया है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स दलों द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद समय से पहले चुनाव की आशंका भी बढ़ गई है। संसदीय समिति के आंकड़ों के अनुसार, हर साल करीब 13,000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा 18 वर्ष की भर्ती आयु तक पहुंचते हैं, लेकिन इनमें से 10 प्रतिशत से भी कम सेना में शामिल होते हैं।

अमेरिका के आयोवा में अंधाधुंध गोलीबारी, सात लोगों की मौत; पुलिस बोली- घरेलू कलह में नरसंहार

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के आयोवा राज्य के मस्कटाइन में सोमवार को एक घरेलू विवाद के कारण गोलीबारी हुई। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस विभाग के अनुसार, बंदूकधारी ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बंदूकधारी की पहचान 52 वर्षीय रयान विलिस मैकफार्लैंड के रूप में की है। उसने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह व्यक्तियों की हत्या की। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली।

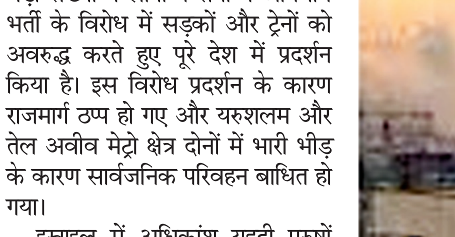

मस्कटाइन पुलिस विभाग को दोपहर करीब 12:12 बजे गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारी और आपातकालीन चिकित्सा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। एक घर के अंदर दाखिल होने पर, अधिकारियों ने चार लोगों के शव बरामद किए। सभी को गोली लगी थी। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला कि गोलीबारी घरेलू विवाद से संबंधित थी। सभी पीड़ित संदिग्ध के परिवार के सदस्य माने जा रहे हैं। आगे की जांच को लेकर पुलिस की रणनीति क्या? पुलिस ने पीड़ितों के नाम और उम्र जारी नहीं किए हैं। संदिग्ध मैकफार्लैंड अधिकारियों के पहुंचने से पहले घर से निकल गया था। कानून प्रवर्तन ने उसे रिवरफ्रंट ट्रेल पर पाया। उसे पैदल यात्री पुल के पास खुद को गोली लगी हुई मिली। अधिकारियों ने उसे चिकित्सा सहायता दी, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस ने एक अन्य घर में एक वयस्क पुरुष को भी मृत पाया। कारोबार स्थल पर भी एक वयस्क पुरुष को मृत पाया गया। मस्कटाइन पुलिस अधीक्षक एंथोनी कीस ने इन मामलों को भी आपराधिक कृत्य बताया।

अवैध तरीके से ट्रक चलाने वाले 30 भारतीय गिरफ्तार, जल्द होगा निर्वासन

ऑपरेशन चेकमेट के तहत कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे और व्यावसायिक ट्रक चलाने वाले लगभग 30 भारतीयों को एक संघीय अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इन सभी को जल्द ही देश से निर्वासित किया जाएगा। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि 11 से 15 मई के बीच एरिजोना के युमा सेक्टर में चलाए गए 'ऑपरेशन चेकमेट' के दौरान सीमा गश्ती एजेंटों ने 52 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे। इनमें 36 लोग ऐसे थे जो सेमी-ट्रक चला रहे थे।

गिरफ्तार किए गए 36 अवैध ट्रक चालकों में 30 भारतीय नागरिक थे। इसके अलावा मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस के छह नागरिक भी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, इन लोगों के पास कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन और वर्जीनिया जैसे राज्यों से जारी वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस थे, जबकि कुछ के पास किसी भी प्रकार का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ज्यादातर लोगों के पास रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज थे, जो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में हासिल किए गए थे, लेकिन अब उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। सीबीपी ने कहा कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ संघीय कानून के तहत कार्रवाई की गई है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। एजेंसी ने कहा कि 'ऑपरेशन

चेकमेट' का उद्देश्य आव्रजन कानूनों को लागू करते हुए देश में वाणिज्यिक मोटर वाहन चला रहे अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना तथा सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करना है। अमेरिकी सीमा गश्ती बल के युमा सेक्टर के कार्यवाहक प्रमुख एजेंट डस्टिन कॉडल ने कहा, 'ऑपरेशन चेकमेट हमारी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत हम समुदायों और सड़कों को ऐसे अवैध चालकों से सुरक्षित रखना चाहते हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।' उन्होंने कहा कि संघीय एजेंट प्रतिदिन गश्त कर रहे हैं ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके और अमेरिका की सड़कों पर होने वाली घातक दुर्घटनाओं को टाला जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान अमेरिकी परिवहन विभाग ने अयोग्य विदेशी चालकों को वाणिज्यिक ट्रक और बस चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने से रोकने संबंधी आदेश भी जारी किया था। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका में भारतीय मूल के कई ट्रक चालकों को वाणिज्यिक वाहन चलाते समय घातक सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप तय किए गए हैं।

'हम आपको सुनते हैं' कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सुनी आमजनों की समस्याएं

कुल 47 आवेदनों पर हुई सुनवाई, त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में मंगलवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम (जनता दरबार)... में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों की क्रमवार सुनवाई की। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त कुल 47 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए उपायुक्त ने संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान शिक्षा, राजस्व, बीएसएल, चास अंचल, नगर परिषद फुसरो, भूमि विवाद, सहकारिता, विद्युत, डीपीएलआर, चास एवं चंद्रपुरा अंचल तथा आपूर्ति विभाग से संबंधित विभिन्न मामलों पर उपायुक्त ने गंभीरता से संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा आवेदकों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जनता दरबार के माध्यम से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिलता है, जिससे शिकायतों के निष्पादन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

सभी प्रखंडों एवं अंचल कार्यालयों में भी लगा जनता दरबार

जिला प्रशासन के निदेशार्नुसार जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों द्वारा स्थानीय स्तर पर प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों की सुनवाई की गई। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव था, उनका तत्काल निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, पीओ श्री मानिक चन्द्र सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में चला औचक सुरक्षा जांच अभियान

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में अपराध नियंत्रण एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निदेर्शानुसार मंगलवार को सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों में व्यापक औचक सुरक्षा जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बैंक, एटीएम, ज्वेलरी शॉप, ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी), पेट्रोल पंप तथा अन्य महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान सभी थाना प्रभारियों एवं ओपी प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित विभिन्न बैंकों और प्रतिष्ठानों का दौरा कर सुरक्षा मानकों की जांच की। पुलिस अधिकारियों ने बैंक प्रबंधकों, ज्वेलरी दुकानदारों, सीएसपी संचालकों एवं पेट्रोल पंप प्रबंधकों से सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट पर जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास विभाग द्वारा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के सहयोग से बोकारो जनरल अस्पताल में बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियमों पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों, नर्सिंग छात्राओं तथा अस्पताल कर्मियों के बीच बायो-मेडिकल अपशिष्ट के सुरक्षित पृथक्करण, उपचार एवं निपटान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियम, 2016 तथा इसके विभिन्न संशोधनों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने बायो-मेडिकल अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अस्पताल कर्मियों एवं नर्सिंग छात्राओं के लिए बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन विषयक क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों ने अपने संबोधन में बायो-मेडिकल अपशिष्ट के उचित पृथक्करण एवं सुरक्षित निपटान को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी से निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि बोकारो जनरल अस्पताल में बायो-मेडिकल अपशिष्ट के सुरक्षित निष्पादन हेतु 50 किलोग्राम प्रति घंटा क्षमता का द्वि-स्तरीय इंसिनरेटर, 102 केएलडी क्षमता का एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट तथा 500 केएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित है। इन सुविधाओं के माध्यम से अपशिष्ट जल का उपचार, पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। गौरतलब है कि विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट द्वारा संयंत्र, नगर सेवा तथा अस्पताल क्षेत्र में व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास का संदेश समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बेरमो की अनिता देवी हत्याकांड अब पकड़ रहा तूल

सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी व भाजपा नेताओं ने पीड़ित परिवार को लेकर एसपी से की मुलाकात

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो के पांच नंबर धौड़ा की चार माह की गर्भवति दलित महिला अनीता देवी हत्याकांड को लेकर आज गिरिडीह के आजसू सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र राज की अगवाई में मृत महिला के पति महेश भुईयां के बच्चों के साथ भाजपा नेताओं ने बोकारो एसपी नाथू सिंह मीना से मिलकर मामले की जानकारी दी। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष ने एक पत्र देकर जल्द से जल्द मुख्य आरोपी और इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान महेश मैनपुरी घटना की जानकारी एसपी को दी। मृतका का पति महेश ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि जलावन के लिए कोयला चुनने पत्नी अनीता गई थी। इस दौरान बेरहमी के साथ संतोष साव के गुंडो ने पिटाई कर हत्या कर दी। महेश ने बताया कि शाम के समय वहां संतोष के दो से तीन सौ लोग वहां रहते हैं जो नशे में होते हैं और इसी तरह महिलाओं के साथ मारपीट की घटना का अंजाम देते हैं। पोस्टमार्टम के बाद मुझे पर शव जलाने का दबाव डाला गया। कहा कि थाना प्रभारी रोहित सिंह से हमारी बात हो जाएगी। महेश ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र राज ने बताया कि हम लोग पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए आए हैं हम चाहते हैं कि मामले की जांच कर वह कार्यपी सहित अन्य लोगों की गिरफ्तारी है क्योंकि पुलिस प्रशासन का हाथ कोयला माफ किया संतोष के ऊपर है। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने बताया कि एसपी ने एसआईटी गठन कर मामले की जांच की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने पीड़ित परिवार को न्याय देने की बात कही है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जो भी दोषी हैं उन परकार्रवाई होगी। प्रशासन निष्पक्ष होकर मामले की जांच कर रही है जो भी दोषी होंगे उनका कार्रवाई निश्चित है।

डीसी की पहल पर बच्ची को तत्काल मिली कान की मशीन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीसी आदित्य रंजन की पहल पर एक बच्ची को तत्काल कान की मशीन उपलब्ध कराई गई। दरअसल, डीसी जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की समस्या सुन रहे थे। इस दौरान तेतुलमारी थाना क्षेत्र के सिजुआ पोस्ट निवासी प्रीति कुमारी अपने परिजनों के साथ पहुंची। परिजनों ने उनको बताया कि बच्ची श्रवण संबंधी समस्या से जूझ रही है तथा आर्थिक कठिनाइयों के कारण वह कान की मशीन उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। त्वरित पहल करते हुए बच्ची को मौके पर ही कान की मशीन उपलब्ध कराई गई। कान की मशीन मिलने के बाद प्रीति कुमारी एवं उसके परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। साथ ही उपायुक्त ने बच्ची का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने हेतु सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही दिव्यांग पेंशन हेतु सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांगजनों, बच्चों एवं अन्य संवेदनशील वर्गों से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि दिव्यांगजनों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा पात्र लाभार्थियों को शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के खेल एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह एम.के.एम. स्टेडियम, सेक्टर-04 में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे, अभिभावक तथा खेल प्रेमी उपस्थित रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर बच्चों एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उल्लेखनीय है कि 15 मई 2026 से प्रारंभ हुए इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में 8 से 15 वर्ष आयु वर्ग के कुल 527 बच्चों ने भाग लिया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को अनुभवी एवं प्रशिक्षित कोचों द्वारा विभिन्न खेल विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। नियमित अभ्यास एवं मार्गदर्शन के माध्यम से बच्चों को अपनी खेल प्रतिभा को विकसित करने तथा नई तकनीकों को सीखने का अवसर प्राप्त हुआ।

तम्बाकू नियंत्रण कानून के उल्लंघन पर 12 दुकानों का चालान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त बोकारो के निदेशार्नुसार तथा सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के मार्ग दर्शन में मंगलवार को सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत कैम्प-2 एवं सेक्टर-1 इलाके में तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के तहत विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान में स्वास्थ्य विभाग एवं सिटी थाना की संयुक्त टीम ने तम्बाकू नियंत्रण कानून के विभिन्न प्रावधानों के अनुपालन की जांच की। जिला छापामारी दल के सदस्य एवं जिला परामर्शी (राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम) मो. असलम के नेतृत्व में कुल 47 दुकानों की जांच की गई। जांच के दौरान 12 दुकानदारों/व्यक्तियों को कोटपा अधिनियम की धारा 4, 6ए, 6बी एवं 6सी का उल्लंघन करते हुए पाया गया। संबंधित व्यक्तियों से अर्थदंड के रूप में कुल 3,750 रुपये की वसूली की गई। जिला परामर्शी ने बताया कि कोटपा संशोधन अधिनियम-2021 के अनुसार किसी भी सरकारी भवन, न्यायालय परिसर, अस्पताल तथा शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है।

चिन्मया विद्यालय के इंडक्शन प्रोग्राम में शामिल हुए उपायुक्त

ज्ञान, सेवा और संस्कार को जीवन का मूल मंत्र बनाएं : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को बोकारो स्टील सिटी स्थित चिन्मया विद्यालय में कक्षा 11 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, संस्कार, सेवा और लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थी विद्यालय में अध्ययन के साथ-साथ विद्यालय की गौरवशाली परंपरा और उसकी पहचान को भी समझने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना या शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। जीवन में डॉक्टर, आईएएस, आईपीएस अथवा अन्य किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्तित्व का समग्र विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कक्षा 11वीं और 12वीं जीवन की मजबूत नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण समय है। विद्यालय अवधि के बाद भी शिक्षक विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, बशर्ते विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा और प्रश्न पूछने का साहस हो। उन्होंने विद्यार्थियों से अगले दो वर्षों का अधिकतम सदुपयोग करते हुए मन लगाकर अध्ययन करने का आह्वान किया। विद्यार्थी केवल सतही अध्ययन तक सीमित न रहें, बल्कि विषयों को विस्तार और गहराई से समझने का प्रयास करें। डिटैचमेंट और अटैचमेंट दोनों के संतुलन के साथ अध्ययन करने पर ही ज्ञान का वास्तविक अर्थ समझा जा सकता है।

संस्कार के बिना ज्ञान अधूरा

उपायुक्त ने कहा कि केवल ज्ञान अर्जित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके साथ संस्कार भी होने चाहिए। संस्कारयुक्त ज्ञान ही समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं से यह प्रश्न करें कि वे किस उद्देश्य से ज्ञान अर्जित कर रहे हैं और उनका जीवन लक्ष्य क्या है। उनके अनुसार सेवा ही जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए - देश की सेवा,देश के लोगों की सेवा और विश्व की सेवा। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान, सेवा और संस्कार को जीवन का मूल मंत्र बनाने की सलाह दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की परंपरा- सर्वे भवन्तु सुखिनः की रही है, जो समस्त मानवता के कल्याण का संदेश देती है। भारत की संस्कृति अंतर-विरोधों में भी सामंजस्य स्थापित करने की रही है। विविधताओं के बीच एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

ऋषि और कृषि भारतीय सभ्यता के आधार

उपायुक्त ने कहा कि भारतीय सभ्यता में ऋषि और कृषि दोनों का विशेष महत्व रहा है। विद्यार्थियों को अध्यात्म, दर्शन और भारतीय चिंतन को समझने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी का सिर रिक्शा चालक, सब्जी विक्रेता, सफाईकर्मी अथवा श्रम करने वाले किसी भी व्यक्ति के सम्मान में झुकता है, तो वही सच्चे ज्ञान का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील बनने और सामूहिक हित को प्राथमिकता देने की सीख दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का विकास तभी सार्थक है, जब वह समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सके। हम ही हम हैं तो क्या हम हैं, तुम ही तुम हो, तो क्या तुम हो...। जीवन का उद्देश्य केवल स्वयं तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज और मानवता के कल्याण से जुड़ा होना चाहिए।

बेटियां अपने सपनों को नई उड़ान दें

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि आज की बेटियां उस परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं, जिसने समाज में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि छात्राएं अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। जीवन में चुनौतियां आएंगी, लेकिन उनसे घबराने या झुकने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाह जीवन का एक पहलू हो सकता है, लेकिन बेटियों की पहचान केवल विवाह तक सीमित नहीं है। वे अपनी प्रतिभा, शिक्षा और उपलब्धियों के बल पर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। वह देश के लिए महत्वपूर्ण संसाधन है।

मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शैक्षणिक टॉपर विद्यार्थियों एवं जेईई एडवांस्ड-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उपायुक्त श्री अजय नाथ झा द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

प्रिंस खान गैंग का मुख्य सहयोगी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के बालीडीह ओपी स्थित बीएमडब्ल्यू प्लांट से रंगदारी मांगने और धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने प्रिंस खान गैंग के कथित मुख्य सहयोगी राकेश कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने प्रिंस खान के कहने पर धमकी भरा पर्चा लिखकर फैक्ट्री में छोड़ा था और इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कराया गया था। 12 मार्च 2026 को बीएमडब्ल्यू प्लांट के मैनेजर सुरेश कुमार सिंह ने बालीडीह थाना में आवेदन देकर फैक्ट्री लगाने के एवज में रंगदारी मांगने और धमकी दिए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर बालीडीह थाना कांड संख्या 56/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए सेक्टर-2सी निवासी राकेश कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह सीधे प्रिंस खान के संपर्क में था और उसके निर्देश पर धमकी भरा पर्चा अपने हाथ से लिखकर फैक्ट्री परिसर में छोड़ा था। बाद में उसी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर कंपनी को दोबारा धमकी दी गई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि इस काम के एवज में प्रिंस खान द्वारा आरोपी के दो बैंक खातों में कुल एक लाख पचास हजार रुपये भेजे गए थे। पुलिस अब इस लेन-देन और गैंग के अन्य सदस्यों की भूमिका की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में कई अहम साक्ष्य मिले हैं। साथ ही आरोपी और प्रिंस खान के बीच व्हाट्सएप कॉल और चैट के रिकॉर्ड भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि राकेश कुमार बोकारो में प्रिंस खान गैंग के विस्तार और प्रभाव बढ़ाने का काम कर रहा था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में अन्य आरोपियों और गैंग के नेटवर्क की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है।

जेटीईटी से भोजपुरी, मगही एवं अंगिका को हटाने से आक्रोश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो के प्रतिनिधिमंडल ने आज उपायुक्त बोकारो के अनुपस्थिति में उप विकास आयुक्त को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा से भोजपुरी, मगही एवं अंगिका भाषाओं को हटाए जाने का कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। ज्ञापन में कहा गया कि भोजपुरी, मगही एवं अंगिका झारखंड सहित पूर्वी भारत की समृद्ध भाषाएँ हैं, जिनकी अपनी विशिष्ट साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान है। इन भाषाओं को बाहर करने के निर्णय से लाखों विद्यार्थियों, अभ्यर्थियों एवं भाषा-प्रेमियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। यह निर्णय न केवल अभ्यर्थियों के हितों के विरुद्ध है, बल्कि झारखंड की भाषाई विविधता और सांस्कृतिक विरासत की भी उपेक्षा करता है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जे टी ई टी में भोजपुरी, मगही एवं अंगिका भाषाओं को अविलंब पुनः शामिल किया जाए तथा इन भाषाओं के विद्यार्थियों एवं अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा हेतु आवश्यक नीतिगत निर्णय लिए जाएँ। साथ ही झारखंड के विद्यालयों में इन भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन एवं शिक्षकों की नियुक्ति के लिए आवश्यक पदों का सृजन किया जाए।

चास की यातायात एवं जनसमस्याओं को लेकर चैंबर ने एसडीपीओ को सौंपा ज्ञापन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), चास, वेदांत शंकर से उनके कार्यालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने चास क्षेत्र की यातायात व्यवस्था एवं अन्य जनहित से जुड़ी समस्याओं के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर चैंबर के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने कहा कि चास बोकारो जिले का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। इसके कारण जोधाडीह मोड़, धर्मशाला मोड़, तेलीडीह मोड़ सहित कई प्रमुख स्थानों पर नियमित रूप से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं व्यवस्थित बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। चैंबर के संरक्षक संजय बैद ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए टाइगर मोबाइल एवं पुलिस पेट्रोलिंग को और अधिक सक्रिय किया जाना चाहिए, विशेषकर बैंक एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के आसपास। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने मांग की कि थानों में आने वाले आम नागरिकों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निपटारा किया जाए। उन्होंने रॉन्ग साइड से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने सड़क दुर्घटनाओं के बाद सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके प्रभावी प्रबंधन हेतु आवश्यक प्रशासनिक उपाय करने का आग्रह किया।

बारी कोआपरेटिव कॉलोनी में सकल हिन्दू समाज ने आयोजित किया हिन्दू सम्मेलन

संघ के पंच परिवर्तन के संकल्प को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है : जगन्नाथ शाही

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सकल हिन्दू समाज के द्वारा शताब्दी वर्ष के निमित्त अखिल भारतीय स्तर क्यायोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में आज चन्द्रशेखर आजाद नगर के 'बारी कोआपरेटिव कॉलोनी में आज हिंदू सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जिसमें स्थानीय सनातनी परिवार मातृ शक्ति बड़ी संख्या में अपनी भागीदारी की। हिन्दू सम्मेलन में विश्व हिन्दू परिषद अखिल भारतीय प्रन्यासी मण्डल के जगन्नाथ शाही ने उपस्थित सभी सनातनियों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम हिन्दू सम्मेलन के आयोजन हेतु सकल हिन्दू समाज के प्रति विशेष आभार प्रकट किया। उन्होंने शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन के संकल्प का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि इसे अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इनमें 'स्व का भाव' के अंतर्गत आम गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता पर बल, 'कुटुंब प्रबोधन' के अंतर्गत परिवारों में संस्कार और संवाद, 'सामाजिक समरसता' के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों में समानता और एकता, 'पर्यावरण' के अंतर्गत प्रकृति संरक्षण और सतत विकास तथा एक विषय 'नागरिक कर्तव्य' है जिसमें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा है। हिंदू समाज की एकता में सबसे बड़ी बाधा जाति है, इसके लिए समाज को मजबूती से खड़ा होना होगा। हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य समाज के लिए मार्गदर्शन तैयार करना है हिन्दू सम्मेलन के माध्यम से उन्होंने संघ के संकल्पों को दोहराते हुए समाज से अधिक निकट से जुड़ने और राष्ट्रीय हित में सक्रिय योगदान का आह्वान किया। हिंदू समाज में नेतृत्व क्षमता का विकास एवं एक दुसरे के प्रति सहयोगात्मक भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के दीप प्रज्जवलन के साथ मंचीय कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विनय सिंह, बारी को ऑपरेटिव सोसाईटी के अध्यक्ष आनंदी सिंह, आदीवासी समाज के अध्यक्ष राम चन्द्र बिरूआ एवं बारी को ऑपरेटिव दुर्गा मंदिर के पुजारी पिंटू जी, रंजीत वर्णवाल, संजय राय, दिनेश्वर सिंह, मनोज अग्रवाल की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम में सबलता प्रदान किया। सम्मेलन को सफल करने वालों में प्रमुख रूप से कृष्ण कुमार, अभय कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार, कमलेश अग्रवाल आदि अनेक कार्यकर्ता की सहभागिता रही।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com